भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक 277 ● कटनी ● बुधवार, 11 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।



10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार

देश में जबलपुर ने पाया दूसरा स्थान, आज दिल्ली में राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित



मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बधाई दी

जबलपुर, यशभारत / देश भर में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार के मामले में जबलपुर ने बाजी मारते हुए दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी विशिष्टता साबित की है। यह पुरस्कार आज शाम नई दिल्ली के एक गरिमामय समारोह में जबलपुर के महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर रामप्रसाद अहिरवार एवं वर्तमान कमिश्नर अग्रिम कुमार सहित पूरी टीम ने प्राप्त करेगी।





देश भर के 4,909 शहरों ने स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों के लिये अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी। जिसमें मध्य प्रदेश के कई शहरों ने अलग-अलग कैटेगरी में पुरस्कार प्राप्त किये हैं। स्वच्छता के नये प्रमुख शहरों (जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है), में जहां विशाखापट्टनम ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं जबलपुर इस प्रमुख वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। इससे पूर्व इतना उच्च पुरस्कार जबलपुर के खाते में नहीं आया था। लखनऊ जैसा महानगर इस कैटेगरी में जबलपुर से पिछड़ कर तीसरे स्थान पर रहा।

म.प्र. के अन्य शहर इंदौर, भोपाल, देवास, उज्जैन, बुधनी, ग्वालियर, रीवा व सागर ने भी अन्य कैटेगरी से पुरस्कार प्राप्त किये हैं। इन शहरों की टीमों को आज दिल्ली में मध्यप्रदेश हाउस में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बधाई दी।इस गरिमामय पुरस्कार को प्राप्त करने के लिये महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, तत्कालीन महापौर रामप्रसाद अहिरवार, वर्तमान कमिश्नर अग्रिम कुमार एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम नई दिल्ली पहुंच रही है। जहां महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यह पुरस्कार प्रदान करेगी। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री के साथ-साथ जबलपुर के सभी गणमान्य नागरिकों ने बधाई दी है।

गुवाहाटी के पास बड़ा रेल हादसा, कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे और इंजन पटरी से उतरे, कई यात्री घायल

गुवाहाटी, एजेंसी। *असम में बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। गुवाहाटी के बाहरी इलाके में डिगारू रेलवे स्टेशन के पास कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए। हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की सूचना है। हालांकि, रेलवे अधिकारियों ने फिलहाल किसी की मौत की पुष्टि नहीं की है। घायलों की वास्तविक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।*



रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हादसा बुधवार सुबह करीब 6 बजकर 54 मिनट पर हुआ। मिजोरम के सैरांग से कोलकाता जा रही एक्सप्रेस ट्रेन डिगारू स्टेशन के पास पहुंची थी, तभी उसके छह कोच और इंजन पटरी से उतर गए। अचानक हुए इस हादसे के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सुबह 6:54 बजे ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतरे। रेलवे की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का आकलन कर रही हैं। हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की जानकारी मिली है। घायलों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए रेलवे और स्थानीय प्रशासन के स्तर पर इंतजाम किए जा रहे हैं। हादसे के कारण इस रेल मार्ग पर परिचालन प्रभावित होने की आशंका है। रेलवे कर्मचारी दुर्घटनाग्रस्त डिब्बों को हटाने और ट्रैक को दुरुस्त करने में जुटे हैं, ताकि रेल यातायात जल्द सामान्य किया जा सके। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। रेलवे ने हादसे की परिस्थितियों की विस्तृत जांच किए जाने की बात कही है। राहत और बहाली अभियान जारी है तथा दुर्घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

29 अक्टूबर- असम में पैसेंजर ट्रेन के इंजन की ट्रॉली पटरी से उतरी- असम के लुमडिंग-बदरपुर पहाड़ी रेलखंड में सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के इंजन की आगे की ट्रॉली पटरी से उतर गई थी। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (ह्लस्रञ्ज) के मुताबिक, घटना सुबह करीब 8:50 बजे बदरपुर और सुकरितिपुर स्टेशनों के बीच हुई थी। हादसे में किसी यात्री के घायल होने या मौत की खबर नहीं है।

20 दिसंबर 2025- असम में राजधानी एक्सप्रेस के 5 डिब्बे-इंजन पटरी से उतरे, ट्रेन से टकराने पर 7 हाथियों की मौत- असम के होजाई जिले में हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया था। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई थी और एक हाथी का बच्चा घायल हुआ था। हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए थे।

प्रियांक खड़गे के खिलाफ पुलिस में शिकायत, आरएसएस पर भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप

बेंगलुरु,ईएमएस। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ बेंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। उन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बिहार और हरियाणा में जिंदा कारतूस बरामद होने की घटनाओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जोड़कर कथित तौर पर गलत और भ्रामक जानकारी प्रसारित करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मंत्री की ओर से साझा की गई जानकारी तथ्यों के विपरीत है और इससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने के साथ ही लोगों को भड़काने की आशंका है। शिकायत में मामले में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही कहा गया है कि गृह मंत्री जैसे संवैधानिक पद पर होने के बावजूद प्रियांक खड़गे को जांच के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

पित्रोदा बोले- चुनाव आयोग से लोगों का भरोसा खत्म, राहुल उठा रहे जनता के मुद्दे

नई दिल्ली,ईएमएस। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भारत के चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोगों का आयोग पर भरोसा खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद विश्वास पर टिकी होती है और यदि चुनावों में हेराफेरी होती है तो उनके परिणामों की वैधता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। पित्रोदा ने इस संकट का संवैधानिक तरीके से समाधान निकालने की बात कही और सुप्रीम कोर्ट से ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच करने की मांग की। उन्होंने विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोपों को भी झूठा बताया। पित्रोदा के मुताबिक राहुल गांधी युवाओं, गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने नीट और पेपर लीक के मामलों का हवाला देते हुए शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट तथा सरकार की ओर से प्रभावी समाधान नहीं दिए जाने पर भी सवाल उठाए।

यूपी के 15 शहरों में घना कोहरा, दिल्ली की हवा बेहद खराब, बिहार में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। दिवाली के बाद से उत्तर प्रदेश के कई शहरों में कोहरा और धुंध का असर लगातार बढ़ रहा है। बुधवार सुबह संभल, हापुड़, बिजनौर और शामली समेत प्रदेश के 15 शहर घने कोहरे की चपेट में रहे। सुबह के समय दृश्यता कम होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। हरदोई में न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री और बरेली में 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ये प्रदेश के सबसे ठंडे शहरों में रहे। बिहार में मौसम का मिला-जुला रुख बना हुआ है। सुबह और रात के समय हल्की ठंड महसूस हो रही है, जबकि दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने जमुई, मुंगेर और बांका समेत पांच जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में मौसम बदलने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने चिंता बढ़ा दी है। बुधवार सुबह करीब 6:30 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 322 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

फूलों से सजा गंगोत्री धाम शीतकाल के लिए बंद हुए कपाट

सेना के बैंड की धुन के साथ मुखबा के लिए रवाना हुई मां गंगा की डोली, छह महीने वहीं होगी पूजा-अर्चना



गंगोत्री, यशभारत। उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवंबर को दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के साथ ही मां गंगा की उत्सव डोली सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को पांच क्विंटल फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिर के कपाट इस वर्ष 19 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले गए थे।

कपाट बंद होने के अवसर पर गंगोत्री धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। सुबह करीब 200 श्रद्धालु धाम में मौजूद थे, लेकिन कपाट बंद होने से पहले इनकी संख्या बढ़कर एक हजार से अधिक हो गई। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं में मां गंगा के अंतिम दर्शन को लेकर खासा उत्साह रहा। धाम में सुबह का तापमान शून्य से 10 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जबकि दिन के समय भी पारा माइनस 2 से 3 डिग्री के बीच बना रहा। मंदिर समिति के अनुसार, इस वर्ष यात्रा सीजन के दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने गंगोत्री धाम पहुंचकर मां गंगा के दर्शन किए। कपाट बंद होने के बाद मां गंगा की उत्सव डोली करीब 25 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर मुखबा पहुंचेगी। इस यात्रा में पहला पड़ाव गंगोत्री धाम से करीब आठ किलोमीटर दूर स्थित भैरव मंदिर होगा। यहां दर्शन और धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के बाद डोली आगे रवाना होगी। इसके बाद करीब 16 किलोमीटर की यात्रा कर डोली मार्कण्डेय मंदिर पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा। 11 नवंबर को डोली यहां से करीब एक किलोमीटर की दूरी तय कर मुखबा मंदिर पहुंचेगी। इसके साथ ही अगले छह महीनों तक मुखबा में ही मां गंगा की नियमित पूजा-अर्चना होगी और श्रद्धालु वहीं पहुंचकर दर्शन कर सकेंगे। चारधाम यात्रा के तहत अन्य प्रमुख मंदिरों के कपाट बंद होने का कार्यक्रम भी निर्धारित है। यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट 11 नवंबर को क्रमशः सुबह 10.28 बजे और 8.30 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। वहीं, बद्रीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को रात 9:37 बजे बंद होंगे। शीतकाल के दौरान यमुनोत्री की पूजा खरसाली, केदारनाथ की पूजा ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर तथा बद्रीनाथ की पूजा पांडुकेश्वर और जोशीमठ में संपन्न होगी। इस तरह हिमालयी धामों में शीतकालीन प्रवास की धार्मिक परंपरा के साथ चारधाम यात्रा का यह चरण विराम लेगा।

बिरसिंहपुर पाली में पटाखे के ऊपर रखी स्टील की गिलास धमाके से उछली

9 साल के बच्चे के पेट में घुसी; गंभीर हालत में शहडोल रेफर



उमरिया, यशभारत। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान बरती गई एक छोटी सी लापरवाही नौ वर्षीय बच्चे के लिए जानलेवा साबित होते-होते बची। बिरसिंहपुर पाली नगर के वार्ड क्रमांक 10 में पटाखा जलाने के दौरान हुए हादसे में स्टील की गिलास उछलकर बच्चे के पेट में जा लगी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि उसके पेट में गहरा घाव हो गया और अंदरूनी अंग तक दिखाई देने लगे। गंभीर हालत में बच्चे को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे शहडोल रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, घटना मंगलवार शाम की है। वार्ड क्रमांक 10 निवासी सौकी बसोर का नौ वर्षीय बेटा हिमांशु घर के आंगन में पटाखे जला रहा था। इसी दौरान उसने पानी पीने के लिए रखी स्टील की गिलास जलते हुए पटाखे के ऊपर रख दी। बच्चे को अंदाजा नहीं था कि धमाके के दबाव से गिलास इतनी तेज गति से उछल सकती है। जैसे ही पटाखा फूटा, धमाके के कारण स्टील की गिलास हवा में उछलकर सीधे हिमांशु के पेट से जा टकराई। टक्कर से उसके पेट में गहरा घाव हो गया। अचानक हुए हादसे के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। बच्चे की हालत देखकर परिजन घबरा गए और उसे तत्काल निजी वाहन से बिरसिंहपुर पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

गंभीर चोट देखकर चिकित्सकों ने किया रेफर

अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्चे का प्राथमिक उपचार किया। पेट में गंभीर चोट और बेहतर चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता को देखते हुए उसे तत्काल हायर सेंटर शहडोल रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उसे लेकर शहडोल रवाना हो गए। फिलहाल बच्चे की आगे की चिकित्सा और स्वास्थ्य स्थिति को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है।

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी, टॉयलेट में मिला नोट

कोलकाता-मुंबई विमान में 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर थे सवार

पायलट ने एटीसी को दी सूचना, आइसोलेशन बे में भेजकर शुरू की गई जांच

कोलकाता,एजेंसी। एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट में बुधवार सुबह हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के टॉयलेट में धमकी भरा नोट मिलने के बाद चालक दल ने तत्काल पायलट को इसकी जानकारी दी। पायलट ने बिना देर किए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में भेज दिया गया, जहां सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। घटना के समय विमान में 93 यात्री और पांच क्रू मेंबर सहित कुल 98 लोग सवार थे।



जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया का एयरबस ए320नियो विमान बुधवार सुबह कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक नोट मिला, जिसमें विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी। नोट मिलने के बाद चालक दल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पायलट को सूचित किया। पायलट ने तत्काल एटीसी को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया, ताकि उसकी विस्तृत जांच की जा सके। सुरक्षा एजेंसियां नोट की सत्यता और धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुट गई।

लाल स्ट्रीट पर बुल्स का कब्जा

सेंसेक्स 1250 अंक से अधिक उछला, निवेशकों की संपत्ति में भारी इजाफा

मुंबई,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में आज गजब की तेजी दिखी है। मार्केट खुलते हैं स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ा उछाल दिखा है। ऐसा लग रहा है कि दलाल स्ट्रीट पर बुल्स का कब्जा हो गया है, जो निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। आज 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 82,258.68 पर खुला और 9 बजकर 19 मिनट में इसमें 1250 अंकों से अधिक की तेजी दर्ज की गई। यह हरे निशान में 1.55 फीसदी उछलकर 82,363.16 पर ट्रेड कर रहा था। इसके सभी 30 शेयर हरे निशान में दिखे। वहीं, 50 शेयरों वाले निफ्टी की बात करें तो इसमें भी बड़ी तेजी दिखी। यह आज 25,337.80 पर खुला और 9 बजकर 18 मिनट पर इसमें 301.65 अंक यानी कि 1.20 फीसदी की बढ़त दिखी। यह इस दौरान 25,346.30 पर कारोबार करते हुए दिखा। आइए जानते हैं कि निवेशकों की संपत्ति में कितना उछाल आया है और घरेलू बाजार में इस बड़ी तेजी की प्रमुख वजहें क्या हैं।

रामपुर CRPF कैंप पर हमले के दोषी मोहम्मद शरीफ की हत्या, अज्ञात बदमाशों ने मारी गोली

रामपुर एजेंसी। उत्तर प्रदेश के रामपुर में वर्ष 2008 में सीआरपीएफ कैंप पर हुए हमले के दोषी मोहम्मद शरीफ अहमद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अज्ञात हमलावरों ने शरीफ को गोली मारी जिसके बाद गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि हमलावर गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। मोहम्मद शरीफ अहमद रामपुर का रहनेवाला था और 31 दिसंबर 2007 से 1 जनवरी 2008 की रात रामपुर CRPF ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले के मामले में सामने आया था। साल 2008 में उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित सीआरपीएफ कैंप पर हमला हुआ था इस मामले में 8 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे मोहम्मद शरीफ इसी मामले में आरोपी था और बाद में कोर्ट ने उसे दोषी करार दिया था, मोहम्मद शरीफ ने 7 साल जेल की सजा काटी थी।जानकारी के मुताबिक शरीफ ने इस मामले में 7 साल की सजा काटी थी और जेल से बाहर आ गया था। अब उसे अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी है। जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि शरीफ बीते नवंबर महीने में हाई कोर्ट से राहत मिलने के बाद जेल से बाहर आया था।

आनंद से अनुज तक 100 भारतीय चेस ग्रैंड मास्टर्स का सुहाना सफर

देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स का ताज,मप्र के पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा

जबलपुर, यशभारत। *सन् 2026 की दीपावली भारतीय शतरंज के इतिहास के लिये सुनहरा इतिहास लिख गई। इस दिन मध्यप्रदेश के युवा शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने न केवल स्वयं के लिये ग्रेंड-मास्टर का खिताब अर्जित किया, वरन देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स बनने को गौरव भी प्राप्त किया। वे मध्यप्रदेश के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्रेंड-मास्टर्स के मामले में मध्यप्रदेश के सूखे को समाप्त कर दिया। इससे पहले मध्य प्रदेश के नाम पर एक भी ग्रैंड मास्टर दर्ज नहीं था।*

यूँ तो शतरंज का इतिहास बहुत पुराना है। कुछ लोग तो भारत को शतरंज का जनक भी मानते हैं। लेकिन आधुनिक शतरंज के खेल में भारत वर्षों तक गुमनामी के अंधेरे में रहा। कहने को भारत में शतरंज तो खेला जाता रहा लेकिन कोई विशेष उपलब्धि दर्ज नहीं थी। सन् 1988 में भारतीय शतरंज का सूर्य विश्व-पटल पर उदय हुआ, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस वर्ष तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद (विशु) ने ग्रेंड-मास्टर का टाइटल प्राप्त किया। वे भारत के पहले ग्रैंड मास्टर बने। लेकिन वे यहीं नहीं रुके, वरन 5 बार विश्व चैम्पियन बन कर ऐसा इतिहास रचा जिसे विश्व अब भी गौरव के साथ याद करता है। । सच कहें तो उनके शिखर पर पहुंचने के बाद देश में शतरंज का जुनून पैदा हुआ, लेकिन सन् 2000 तक भारत के झोली में आनंद के अलावा सिर्फ दिव्येंदु बरुआ (1991) तथा प्रवीण थिप्से (1997) ही ग्रेंड-मास्टर थे। तब तक शतरंज के दुनिया में सोवियत रूस, अमेरिका जैसे देशों की तूती बोलती थी। तब तक जर्मनी भी अपना दबदबा बना चुका था। सन 2000 के बाद भारतीय शतरंज ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी। महिला खिलाड़ी भी अपना दमखम दिखाने लगीं। 2002 में कोनेरू हम्पी ने अपना ग्रेंड-मास्टर खिताब जीतकर सनसनी फैला दी। फिर द्रोणावली हरिका ने कमाल कर दिखाया। भारतीय शतरंज का यशस्वी दौर तो सन 2010 के बाद शुरू हुआ। जब एक के बाद एक नये शतरंज खिलाड़ी विश्व पटल पर धूम मचाने लगे । आज की स्थिति में डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती जैसी अनेक प्रतिभाएं हैं, जिसके सामने विश्व स्तरीय खिलाड़ भी चकरा जाते हैं। डी. गुकेश ने तो विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने का नया इतिहास रच दिया। भारत के शतरंज इतिहास ने किस कदर गति पकड़ी है, इसका अंदाजा इस बात से ही लगता है कि भारत के 50 ग्रेंड मास्टर्स बनने में 30 साल लग गए, वही 50 से 100 ग्रेंड मास्टर्स बनने में सिर्फ 8 साल ही लगे। आज भारत चौथा ऐसा देश है जहां 100 से ज्यादा ग्रेंड मास्टर मौजूद हैं। पहले नंबर पर रूस है, जिसके खाते में 185 जीएम(ग्रेंड-मास्टर) दर्ज हैं । दूसरे स्थान पर अमेरिका है, जिसके 110 से ज्यादा खिलाड़ी यह खिताब पा चुके हैं। जर्मनी का आंकड़ा भारत के नजदीक ही हैं, इनके पास 103 ग्रेंड मास्टर हैं। इस दीपावली की रात भारत ने भी 100 का जादूई आंकड़ा छू लिया। मध्यप्रदेश के 22 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने 7 वें ASEAN प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप 2026 में खिताब जीता। उन्होंने आस्ट्रेलिया के मोरिस जेम्स को हराकर भारत के लिए 100 वें ग्रेंड-मास्टर का खिताब दिलाया। उनकी यह उपलब्धि जहां देश को गौरवान्वित करती है वहीं मध्यप्रदेश के लिये इतिहास गढ़ती है। यूँ तो मध्यप्रदेश के खाते में इंटरनेशनल खिलाड़ी (आईएम) तो हैं, लेकिन ग्रेंड मास्टर का खाता खोलने का रिकार्ड अनुज के नाम दर्ज हुआ।मध्यप्रदेश में अनुज के पीछे आयुष शर्मा रखें हैं। जिन्होंने जीएम के नॉर्म्स (**Norms**)तो प्राप्त कर लिए, लेकिन खिताब प्राप्त करना शेष है।



अनुज जबलपुर के वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के साथ

जबलपुर-कटनी से है गहरा नाता

जहां तक अनुज श्रीवात्री का सवाल है, उनका जन्म जबलपुर से गहरा नाता है। अनुज का जन्म निकटवर्ती कटनी जिले में हुआ है, लेकिन उन्होंने अपनी प्रारंभिक चेस की कोचिंग जबलपुर में प्राप्त की। वे वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के पास वर्षों तक सीखते रहे हैं। प्रारंभिक दौर में वे कई बार जबलपुर में शतरंज के टूर्नामेंट में शामिल होने आते रहे हैं। अब अनुज का परिवार भोपाल में बस गया है, किन्तु उनके पिता अशोक श्रीवात्री जबलपुर में पदस्थ हैं।

9 घंटे बाद घटनास्थल पहुंचे कलेक्टर ने मांगी माफी

दमकल व्यवस्था सुधारने और जिम्मेदारी तय करने का आश्वासन







बरही अग्निकांड ने सरकारी इंतजामों की खोली पोल, आक्रोशित लोगों ने उठाए सवाल



कटनी, यशभारत। घटना के करीब नौ घंटे बाद घटनास्थल पहुंचे कलेक्टर आशीष तिवारी को स्थानीय लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। लोगों ने सरकारी सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर आग बुझाने और लोगों की जान बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं थे। संकट की घड़ी में दमकल व्यवस्था कितनी प्रभावी साबित हुई, इसे लेकर भी लोगों ने नाराजगी जाहिर की। हालात की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने लोगों से माफी मांगते हुए कहा कि वे इस गलती के लिए क्षमा मांगते हैं। उन्होंने दमकल कर्मियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए नागपुर भेजने, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था दुरुस्त करने और घटना में जिम्मेदारी तय करने का आश्वासन दिया।

दीपावली की खुशियां जिस घर में कुछ घंटे पहले तक उत्सव और उल्लास का माहौल बना रही थीं, वहां सुबह होते-होते मातम, चीखें और सिसकियां गूंजने लगीं। बरही के मुख्य बाजार में पूरन अग्रवाल के तीन मंजिला मकान में लगी आग ने एक पूरे परिवार को तबाह कर दिया। इस हृदयविदारक अग्निकांड में छह लोगों की जान चली गई। मरने वालों में दो माह का मासूम भी शामिल है, जिसने मां की गोद में ही दम तोड़ दिया। इस हादसे ने न केवल एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी, बल्कि जिले की अग्निशमन व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बरही के मुख्य बाजार स्थित पूरन अग्रवाल का मकान दीपावली के उत्सवी माहौल में डूबा हुआ था। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि कुछ ही देर में यह घर मौत के मंजर में तब्दील हो जाएगा। मकान के भूतल पर संचालित क्रॉकरी दुकान से उठी आग की लपटों ने देखते ही देखते तीन मंजिला भवन को अपनी चपेट में ले लिया। आग के साथ उठे जहरीले धुएं ने घर के भीतर मौजूद लोगों के सामने जिंदगी और मौत का संघर्ष खड़ा कर दिया। परिवार के दो सदस्य किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे लेकिन बाकी छह लोग भीतर ही फंस गए। इनमें 77 वर्षीय पूरन अग्रवाल, उनकी पत्नी चंद्रकला, बहू पूनम और परिवार के मासूम बच्चे शामिल थे। घर के भीतर फंसे लोगों को बचाने की कोशिशें जारी रहीं, लेकिन सुबह तक छह जिंदगियां हमेशा के लिए खामोश हो गईं।

प्रभारी मंत्री ने परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस



मुख्यमंत्री के निर्देश पर सोमवार को जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह बरही पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट किया कि घटना की मजिस्ट्रियल जांच 30 दिनों में पूरी की जाएगी और यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने अग्निकांड स्थल का निरीक्षण कर घटना की परिस्थितियों की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और छह लोगों की असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरही भी पहुंचे, जहां उन्होंने अग्निकांड में जीवित बचे 43 वर्षीय घायल रितेश अग्रवाल के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर उपचार और समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मां की गोद में ही बुझ गई जिंदगी

इस हादसे का सबसे हृदयविदारक पहलू दो माह के मासूम की मौत है। जिस उम्र में बच्चे को दुनिया की पहचान भी नहीं होतीए जिस उम्र में मां की गोद ही उसकी पूरी दुनिया होती है। उसी गोद में वह जिंदगी की जंग हार गया। मां ने अपने कलेजे के टुकड़े को सीने से लगाकर शायद आखिरी उम्मीद तक उसे बचाने की कोशिश की होगी। लेकिन आग और धुएं के कहर ने किसी को संभलने का मौका नहीं दिया। दो मासूम बच्चियों आर्या और अन्वी की मौत ने भी पूरे इलाके को झकझोर दिया।

घटना के बाद कितनी जागेगी व्यवस्था

बरही का यह अग्निकांड महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उन व्यवस्थागत खामियों पर गंभीर सवाल है, जिन्हें समय रहते दुरुस्त किया जा सकता था। घनी आबादी वाले बाजारों में दुकानों और आवासीय भवनों का एक-दूसरे से सटा होना, अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता, प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती और आपातकालीन बचाव की तैयारी जैसे विषय अब चर्चा के केंद्र में हैं। दीपावली के दीयों का उजाला बुझने के साथ बरही के एक परिवार की खुशियां भी हमेशा के लिए समाप्त हो गईं। अब प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ आश्वासन देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में किसी और परिवार को ऐसी भयावह त्रासदी का सामना न करना पड़े। छह जिंदगियों की मौत के बाद यदि व्यवस्था सुधरती हैए तो यह भी एक कड़वी सच्चाई होगी कि सिस्टम को जगाने के लिए आखिर इतनी बड़ी कीमत क्यों चुकानी पड़ी।

अध्यक्ष ने नगरीय प्रशासन मंत्री और आयुक्त से की थी मांग

विगत 10 अक्टूबर को नगर परिषद बरही के अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल ने आपात कालीन स्थिति से निपटने के लिए नगरीय प्रशासन मंत्री और आयुक्त को पत्र सौंपकर अतिरिक्त फायर ब्रिगेड सहित अन्य जरूरी संसाधनों की मांग की थी।



निलंबन की औपचारिकता स्वीकार नहीं : सौरभ

बरही में हुई अग्नि दुर्घटना में अग्रवाल परिवार के छह सदस्यों की मौत की घटना के बाद जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह ने बरही पहुंचकर पीड़ित अग्रवाल परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ घटनास्थल का जायजा लिया। सौरभ सिंह ने मीडिया से चर्चा कर कांग्रेस की मांगों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाए और उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। छह जिंदगियों के मामले में केवल निलंबन की औपचारिकता स्वीकार नहीं है। पीड़ितपरिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथ खड़ा है। इस दौरान वरिष्ठ नेता राजा जगवानी भी साथ रहे।



बरही अग्निकांड की मजिस्ट्रियल जांच शुरू

नगर परिषद के रिकॉर्ड की हो रही जांच

कर्मचारियों से पूछताछ और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जब्ती

कटनी, यशभारत । बरही में हुये अग्नि हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। हादसे के कारणों और अग्निशमन व्यवस्था में संभावित कमियों का पता लगाने के लिए प्रशासन ने जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। मंगलवार को जांच दल ने बरही नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर प्रारंभिक पड़ताल शुरू की। जांच के दायरे में फायर ब्रिगेड की उपलब्धता, उसकी कार्यप्रणाली, रखरखाव और नगर में अग्नि सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा गठित जांच दल के अध्यक्ष एवं अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा के निर्देश पर जांच दल के सदस्य एसडीओपी वीरेन्द्र धार्वे ने नगर परिषद कार्यालय में संबंधित अभिलेखों का बारीकी से परीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी लेकर पूछताछ भी की। इस दौरान एसडीएम विजयराघवगढ़ विवेक गुप्ता भी उपस्थित रहे। जांच टीम द्वारा नगर परिषद में उपलब्ध फायर ब्रिगेड की स्थिति, उसके रखरखाव, संचालन एवं आपातकालीन परिस्थितियों में उसकी कार्यप्रणाली की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही शासन द्वारा जारी अग्निशमन एवं सुरक्षा संबंधी निर्देशों के पालन की स्थिति का भी परीक्षण किया जा रहा है। अग्निशमन व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों का अवलोकन करने के साथ आवश्यक अभिलेखों को जब्त करने की कार्रवाई भी प्रारंभ की गई है। मजिस्ट्रियल जांच में घटना के प्रत्येक पहलू की पड़ताल कर तथ्य एवं साक्ष्य संकलित किए जाएंगे, ताकि अग्निकांड के कारणों और संबंधित विभागों की जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण किया जा सके। उल्लेखनीय है कि बरही में स्वर्गीय पूरन लाल पिता भगवत प्रसाद के आवासीय भवन एवं उसमें संचालित प्लास्टिक व क्रॉकरी की दुकान में भीषण आग लगने से परिवार के छह सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस अग्निकांड में मकान और दुकान का पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर आशीष तिवारी ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी कर चार सदस्यीय जांच दल गठित किया है।

फायर ब्रिगेड की उपलब्धता से लेकर रखरखाव और अग्नि सुरक्षा इंतजामों तक की होगी पड़ताल

मजिस्ट्रियल जांच के लिए साक्ष्य आमंत्रित

बरही में हुए अग्नि हादसा में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मृत्यु और दुकान में रखी प्लास्टिक एवं क्राकरी सामग्री पूरी तरह जलकर नष्ट होने की घटना की विस्तृत मजिस्ट्रियल जांच की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष तिवारी द्वारा जारी आदेश के तहत अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जांच दल को घटना की विस्तृत जांच का दायित्व सौंपा गया है। मजिस्ट्रियल जांच समिति के अध्यक्ष एवं अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्र ने जांच के मद्देनजर आम नागरिकोंए प्रत्यक्षदर्शियोंए सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं संस्थाओं से घटना से संबंधित जानकारी, साक्ष्य, दस्तावेज और अन्य प्रासंगिक तथ्य उपलब्ध कराने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष का आग्रह किया है। इच्छुक व्यक्ति 11 नवंबर से 20 नवंबर तक किसी भी कार्यालयीन कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक अपने बयानए गवाही अथवा साक्ष्य दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए कार्यालय कलेक्टर कटनी स्थित अपर कलेक्टर कक्ष अथवा कार्यालय तहसीलदार बरही स्थित तहसीलदार कक्ष में स्वयं उपस्थित होकर या अपने अभिभावक अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से जानकारी प्रस्तुत किया जा सकता है।



कर्तव्य के बीच दीपों की मुस्कान



कुठला थाना प्रभारी ने पेश की अनूठी मिसाल, स्टाफ के साथ थाने में मनाया पर्व

कटनी, यशभारत। पुलिस का जीवन कर्तव्य और त्याग की निरंतर साधना है। जब समाज अपने परिवार के संग त्योहारों की खुशियां मनाता है, तब पुलिस समाज की सुरक्षा और शांति के लिए सजग रहती है। ऐसे में एक संवेदनशील थाना प्रभारी ने अपने स्टाफ को परिवार मानते हुए उनके साथ सपरिवार दीपावली की खुशियां साझा कीं। कुठला थाना प्रभारी अखलेश दाहिया ने दीपावली की रात थाने में स्टाफ के साथ पर्व मनाया। इस अवसर पर थाना परिसर में विधि विधान के साथ लक्ष्मी पूजन किया गया। इसके उपरांत थाना प्रभारी श्री दाहिया ने समस्त स्टाफ के साथ फुलझड़ी जलाकर पर्व का आनंद उठाया। टीआई श्री दाहिया ने कहा कि कर्तव्य की कठोर राहों पर जब अपनत्व के दीप जलते हैं, तब पुलिस परिवार की सच्ची मुस्कान खिलती है।

दीपों की रोशनी से जगमगाया कटनी

दीवाली की रात आंसुओं में डुबो गई बरही की त्रासदी

बाजारों में रही रौनक, अच्छी बिक्री से व्यापारी खुश, आगजनी की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

कटनी, यशभारत। जिलेभर में दीपों का पर्व दीपावली पारंपरिक उल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों और प्रतिष्ठानों में साफ सफाई सजावट और पूजन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। शहर में घरों के आंगन रंगोलियों और दीपों से सजाए गए। शाम होते ही घर, दुकानें और बाजार दीपों, रंग-बिरंगी विद्युत झालरों और आकर्षक रोशनी से जगमगा उठे। लोगों ने विधिविधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में पर्व को लेकर खास उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। धनतेरस से भाईदूज तक के 6 दिवसीय पर्व का आज समापन हो रहा है। लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। दीपावली पर बाजार में खूब रौनक रही। मिठाई, कपड़े, बर्तन, पूजन सामग्री, फूल-माला और सजावटी सामान की

धनतेरस से शुरू 6 दिवसीय पर्व का आज भाई दोज को समापन



दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ी। दिनभर खरीदारी का सिलसिला चलता रहा और कारोबार भी अच्छा हुआ। अच्छी बिक्री से व्यापारी खुश नजर आए। शहर के साथ ग्रामीण अंचलों में भी दीपावली का पर्व उत्साह और पारंपरिक तरीके से मनाया गया। दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा और चित्रगुप्त पूजा श्रद्धा के साथ हुई। स्थानीय जगन्नाथ चौक स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर में समाजजनों ने भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की। वहीं नदी के कटाये घाट पर श्रद्धालुओं ने दीपदान कर सुख समृद्धि की कामना की। गांवों में भी गोवर्धन पूजा के साथ पारंपरिक रीति रिवाजों का निर्वहन किया गया।



घटनाओं ने फीकी की दीवाली

हालांकि इस बार जिले में दीपावली का उत्सव कुछ दर्दनाक घटनाओं की वजह से प्रभावित भी रहा। बरही में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। आग की चपेट में आने से एक ही परिवार के छह सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। जिस समय लोग दीपावली की खुशियां मना रहे थे, उसी दौरान एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस हृदयविदारक घटना ने त्योहार के उल्लास को गहरे शोक में बदल दिया। इसके अलावा दीपावली के दौरान जिले के



अन्य स्थानों पर भी आगजनी की कुछ छुटपुट घटनाएं सामने आईं। कहीं मकान में आग लगने की सूचना मिली तो कहीं आतिशबाजी और अन्य कारणों से आग लगने की घटनाओं ने चिंता बढ़ाई। सूचना मिलते ही दमकल वाहनों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इन घटनाओं ने त्योहार के दौरान अग्नि सुरक्षा और दमकल इंतजामों की अहमियत भी सामने रखी। कुल मिलाकर जिले में दीपावली उत्साह और परंपरा के साथ मनाई गईए लेकिन बरही के अग्निकांड में छह जिंदगियों के असमय चले जाने की पीड़ा ने इस बार जिले की दीपावली को एक गहरी टीस दे दी।

न्यायालय अपर कलेक्टर/विशेष विवाह अधिकारी जिला कटनी (म.प्र.)
क्रमांक 12269/प्रवा. वि.अधि./2026 कटनी दिनांक 04.11.2026

प्रारूप (ख) सूचना का प्रारूप
। नियम 6 (1) देखिये।

चूंकि विवाह के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक आशीष चौधरी पिता श्री नरेश चौधरी निवासी ग्राम पिपरौंध तहसील व जिला कटनी पिन कोड 483442 एवं आवेदिका रेशमा बर्मन पिता श्री गोपी लाल बर्मन निवासी ग्राम पिपरौंध तहसील कटनी जिला कटनी पिन कोड 483442 द्वारा विवाह रजिस्ट्रेशन किये जाने बाबत् आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं विवाह पंजीयन शुल्क 50/- रू चालान क्रमांक 051/9999999/0029/11/26/012174 दिनांक 03.11.2026 द्वारा मध्यप्रदेश हिन्दु विवाह रजिस्ट्रीकरण नियम 1984 के नियम 4 उपनियम (1) के अधीन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी पेशी दिनांक 09.12.2026 को नियत की गई है। उक्त आवेदन हिन्दु विवाह अधिनियम, 1955 (1955 का सं. 25) की धारा 8 के अधीन बनाये रखे गये हिन्दु विवाह रजिस्टर में प्रविष्टि किया जाना है यदि इस विवाह के संबध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज/दावा हो तो इश्तहार जारी दिनांक से 30 दिवस के भीतर अथवा पेशी दिनांक 09.12.2026 को पूर्वान्ह तक स्वयं था अपने अभिभाषक/प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03.11.2026 को इस न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर एवं रजिस्ट्रार हिन्दु विवाह जिला कटनी





भटिया मोहल्ले में गांजा बिक्री का आरोप

आक्रोशित लोगों ने घेरा एसपी दफ्तर, जनसुनवाई में लगाई गुहार



कटनी, यशभारत। झिंझरी पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत भटिया मोहल्ले में कथित गांजा बिक्री और आए दिन होने वाले विवाद को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश मंगलवार को सामने आया। मोहल्ले के करीब दो दर्जन महिला.पुरुष शिकायत लेकर एसपी की जनसुनवाई में पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। दरअसल भटिया मोहल्ले का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति मारपीट और विवाद करता नजर आ रहा है। लोगों ने इसकी शिकायत झिंझरी चौकी में की थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने संबंधित व्यक्ति को पकड़ने के बाद छोड़ दिया, जिससे मोहल्ले के लोगों में नाराजगी बढ़ गई। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पिछले 4-5 वर्षों से क्षेत्र में गांजे की बिक्री हो रही है लेकिन कार्रवाई नहीं की जा रही। स्थानीय लोगों ने नंद किशोर नामक व्यक्ति पर गांजा बेचने और मोहल्ले के रहवासियों से आए दिन विवाद करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शिकायत करने पर भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। मंगलवार को एसपी जनसुनवाई में पहुंचे महिला-पुरुषों ने एसपी से भटिया मोहल्ले में गांजा बिक्री पर रोक लगाने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की।

यूपी का तस्कर गिरफ्तार, पिट्ठू बैग से गांजा बरामद



कोतवाली पुलिस ने बैलट घाट क्षेत्र में पेट्रोलिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को रोककर उसके पिट्ठू बैग से 3.720 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की कीमत 40 हजार रुपये आंकी गई है। कोतवाली थाना प्रभारी राखी पाण्डेय ने बताया कि एसआई कुलदीप सिंह पुलिस स्टाफ के साथ पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान बैलट घाट जाने वाले कच्चे रास्ते के पास झाड़ियों के समीप एक युवक काले पिट्ठू बैग लिए बैठा दिखाई दिया। जैसे ही थाना मोबाइल वाहन युवक के पास पहुंचा, वह पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी मोहम्मद रियाज पिता सलामुद्दीन निवासी ग्राम महरे थाना रामगांव जिला बहराइच उत्तरप्रदेश हाल निवासी गडरिया टोला थाना सिविल लाइन जिला सतना से पूछताछ की गई और पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग 3.720 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी राखी पाण्डेय, एसआई कुलदीप सिंह, आरक्षक नवल किशोर, पंजाब सिंह, कोमल शॉ, सौरभ तिवारी, मंसूर हुसैन, मोहन मण्डलोई, दिनेश सेन, अजीत सिंह एवं रोहित राठौर की सराहनीय भूमिका रही।

जुगियाकाप मैदान के पास बहोरीबंद पुलिस की दबिश



बहोरीबंद पुलिस ने जुगियाकाप मैदान के पास दबिश देकर मोटरसाइकिल से गांजा की तस्करी कर रहे आरोपी को 1 किलो 241 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। बहोरीबंद थाना प्रभारी सुदेश समन ने बताया कि बहोरीबंद पुलिस विगत रात्रि भ्रमण कर रही थी। इसी दौरान जुगियाकाप मैदान के पास पर बिना नंबर की मोटर साइकिल पर एक व्यक्ति बैठा हुआ मिला। पुलिस ने दिलीप पिता हरिप्रसाद झारिया निवासी रानीताल देवनगर कटाव थाना मंझोली को हिरासत में लेकर पूछताछ की। मोटरसाइकिल में टंगी सफेद रंग की थैली की तलाशी ली गई। थैली के अंदर सफेद रंग की पन्नी में 1 किलोग्राम 241 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। जिसकी 13 हजार रुपए आंकी गई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुदेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक अनुराग पाठक, भोलाराम गुप्ता, सुनील बागरी, मोहित साहू, आरक्षक बृजेश ठाकुर, आरक्षक नरेंद्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिकायत के बाद भी झिंझरी पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

फरार आरोपी को न्यायालय ने भेजा जेल



निवार पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 1 अक्टूबर को मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर ग्राम जरवाही के जंगल के पास साहिल प्रजापति निवासी बंधी रोड मोटरसाइकिल को हिरासत में लेकर उसके पास से थैले से 2 किलो 173 ग्राम गांजा बरामद किया गया था। पूछताछ में साहिल ने पुलिस को बताया कि उसे गांजा मंडला निवासी नितेश यादव ने दिया था। मामले में फरार चल रहे नितेश यादव पिता किशन यादव निवासी ग्राम नेझर थाना निमास जिला मंडला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे कटनी न्यायालय में पेश किया गया।

चाकू लेकर घूम रहा आदतन अपराधी पुलिस गिरफ्त में

मुड़वारा स्टेशन के पास घेराबंदी कर पुलिस ने पकड़ा

कटनी, यशभारत। कोतवाली पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में भ्रमण एवं चेकिंग अभियान चलाकर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में मुखबिरों की सूचना पर मुड़वारा रेलवे स्टेशन की पार्किंग के पास आदतन अपराधी निवासी शहजाद बिल्डिंग के सामने, खिरहनी फाटक निवासी सुमित जाटव उफ नाबालिग को चाकू लेकर लोगों को डराते धमकाते हुए गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। कोतवाली थाना प्रभारी राखी पाण्डेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुमित जाटव आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध पूर्व से ही गंभीर प्रकृति के 10 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं। आरोपी के विरुद्ध अन्य प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। कार्यवाही में कोतवाली थाना प्रभारी राखी पाण्डेय, खिरहनी चौकी प्रभारी किशोर द्विवेदी, प्रधान आरक्षक रामपाल बागरी, सुनील सिंह, आरक्षक चंद्रभान मौर्य एवं विकास राय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



नगर निगम कम्युनिटी हॉल में हुई चोरी का पर्दाफाश

आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 3 मॉनीटर बरामद

कटनी, यशभारत। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम कम्युनिटी हॉल में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 3 नग कम्प्यूटर मॉनीटर बरामद किए हैं। मामले में शामिल दूसरा आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। विदित हो कि नगर निगम कम्युनिटी हॉल में ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। अज्ञात चोर कम्यूनिटी हॉल से 1 नग सीपीयू एवं 5 नग एलईडी मॉनीटर ले गए। स्टोर कीपर आदित्य मिश्रा की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। कोतवाली थाना प्रभारी राखी पाण्डेय ने



टीम गठित कर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया तथा अज्ञात आरोपियों की पतासाजी के लिए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसी दौरान मुखबिरों से सूचना प्राप्त हुई कि गोल बाजार के आसपास एक युवक कम्प्यूटर मॉनीटर सस्ते दामों पर बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर पुलिस ने गोलू ठाकुर निवासी भट्ठा मोहल्ला को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ पर उसने बताया कि 3 मॉनीटर बैलटघाट के पास झाड़ियों में छिपाकर रखे हैं। पुलिस उसे साथ लेकर मौके पर गई, जहां कार्टून में पैक किए हुए 3 नग एलईडी मॉनीटर बरामद किए गए। आरोपी गोलू ठाकुर से पूछताछ करने पर उसने अपने साथी बिट्टू उर्फ समीर निषाद के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। प्रकरण में फरार दूसरे आरोपी बिट्टू उर्फ समीर निषाद की तलाश की जा रही है। कार्रवाईमें थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय, एसआई कुलदीप सिंह, अनुराग सोनकर, अनिल सेंगर, वीरेन्द्र सिंहए पुष्पराज सिंह तथा आरए दीपक तिवारीए अमित सिंहए उपेन्द्र सिंहए मंसूर हुसैनए मोहन मण्डलोईए दिनेश सेनए अजीत सिंह एवं रोहित राठौर की सराहनीय भूमिका रही।

CB HEALTH CARE
commitment to best patient care
डॉ. धर्मेंद्र सिंह बागरी
एमडी जनरल मेडिसिन
Ex_senior Resident, cardiology
• ECG एवं PFT (Spirometry) की सुविधा
• 2D ECHO व कलर डॉपलर ईको कार्डियोग्राफी
• हृदय रोग संबंधी सभी प्रकार की समस्याएँ (हार्ट अटेक, हार्ट फेलियर)
• बी.पी., डायबिटीज(शुगर) थायराइड एवं श्वास संबंधित सभी समस्याएँ
• जोड़ो में दर्द गठिया वात से संबंधित सभी समस्याएँ।
• जनरल मेडिसिन से सम्बंधित समस्याओं के उपचार हेतु।
समय : सुबह 10 से 2 बजे तक, सायं 5.30 से 8 बजे तक (रविवार क्लीनिक बंद रहेगा)
Reg.No.- MP25236
+91 8602054967
+91 8602915994
dsbagri@cbcarehealth.in
डन कॉलोनी मोड़, बस स्टॉप मेन रोड, बरगवां, कटनी

SEATEX SPINO
Aaram ka Naya Naam. Hamesha Ke Liye.
BEST QUALITY
COMFORTABLE FOR SPINE
100% VIRGIN
LONG LIFE
STRONG LEGS
2 YEAR WARRANTY
Bring Home Comfort. Seatex Spino, The Perfect Chair for Home and Office.
अधिकृत वितरक -विश्वकर्मा फर्नीचर
मधई मंदिर रोड, विश्वकर्मा पार्क कटनी
मो.-9826082251 फोन नं. 07622-230557

YAMAHA
The call of the BLUE
Festive-wali Ride!
BENEFITS ₹5,999/-
छूट ₹3,900/-
FASCINO 125 HYBRID
BENEFITS ₹3,399/-
छूट ₹2,499/-
RAY ZR 125 HYBRID
बालाजी एजेंसी
चांडक चौक कटनी
मो. 9425180651

जी.डी. मेमोरियल नर्सिंग कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ 2026-27
जी.एन.एम. नर्सिंग कोर्स
सीमित सीटें
100 बेड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
अपने नर्सिंग के सपने को दें नई उड़ान
इन कॉलोनी, बरगवां, कटनी (म.प्र.)
संपर्क: 9630364578, 7620029783

V2 Value & Variety
THIS DIWALI
BUY
V2 VIP CLUB
GET UPTO
11% DISCOUNT
365 DAYS
440+ STORES 350+ CITIES
Festive Deals
Address -Visit now 1st & 2nd floor V2 Retail Limited City Mall Katni (M.P.)

Premium Quality | Stylish Spaces | Lasting Beauty
SHAKUNTALA GRANITE AND TILES
Your Dream Space, Our Quality
Deals in : Granite, Tiles, Kadappa, Kota, Decorative Item.
GRANITE TILES KADAPPA KOTA DECORATIVE ITEM
Dealer : hindware SANITARYWARE LIVE BEAUTIFULLY
Distributor : JKTYLO ADHESIVES NUVOCO
Mob. : 9009767272
Shakuntala Granite and Tiles, In front of Shri Hospital, Katni (M.P.)
Quality Products | Trusted Brands | Modern Designs | Customer Satisfaction

डॉ. अदिति चौदहा
बी.डी.एस. मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ
पूर्व रेसीडेन्ट डेंटल सर्जन अपोलो हॉस्पिटल बैंगलूरू
Smile Zone Dental Clinic
आधुनिक उपकरणों एवं नई तकनीक से दंत चिकित्सा
क्लीनिक : मां दुर्गा हॉस्पिटल के पास, आदर्श कॉलोनी रोड, कटनी (म.प्र.)

धर्मलोक हॉस्पिटल
पता- आदर्श कॉलोनी रोड, जयप्रकाश वार्ड, नई बस्ती, कटनी
फोन- 07622- 422390, 796084, मो. नं.- 8305402024
अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं
जनरल सर्जरी विभाग, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, अस्थि रोग विभाग, मेडिसन विभाग, नवजात एवं शिशु विभाग, दंत विभाग, एक्टसीडेंट एवं ट्रामा यूनिट
आयुष्मान कार्ड से भी इलाज की सुविधा
DHARMLOK HOSPITAL
24 घंटे-सीटी स्केन सुविधा, एम्बुलेंस सुविधा, मेडिकल स्टोर्स, इमरजेंसी एवं भर्ती की सुविधा

JOIN US : नीरज सिनेप्लेक्स
RATE LIST
लोवर 100/-
बालकनी 150/-
बॉक्स 200/-
रोजाना 3 शो ता.05 नवम्बर से
12:00PM, 03:30PM,07:00PM

AT DLG CINEMAS
FROM 5 NOVEMBER
12:00 AM, 1:30, 4 PM
5:30, 8:00, 9:30 PM
FOR BOOKING CONTACT :
DLG CITY CENTRE
माधवनगर गेट के पास, कटनी (म.प्र.) फोन 07622-473999
BOOKING OPEN NOW KINDLY VISIT | bookmyshow

JOIN US : सिटी प्राईड सिनेमा में IMAX bookmyshow paytm
05 नवम्बर से रोजाना 4 शो
3D 3D 2D 3D
AUDI-1 - 09:00AM | 01:00PM | 05:00PM | 09:00PM
05 नवम्बर से रोजाना 4 शो
2D 2D 2D 2D
AUDI-2 - 10:00AM | 02:00PM | 06:00PM | 10:00PM

चिंतन-मनन

दीपोत्सव की रोशनी के बीच मौत का अंधेरा

आखिर कब जागेगा हमारा अग्निशमन तंत्र?

दीपावली को हम रोशनी, खुशियों और उत्साह का पर्व कहते हैं। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर उम्मीद और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। लेकिन इस बार दीपावली के उल्लास के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों से आई आगजनी की खबरों ने इस पर्व की खुशियों को मातम में बदल दिया। कहीं घरों में आग ने परिवार उजाड़ दिए तो कहीं पटाखों की चिंगारी ने जिंदगी के दीप बुझा दिए। सवाल यह है कि क्या हर साल होने वाले ऐसे हादसों के बाद भी हमारी व्यवस्था की नींद नहीं टूटेगी? महाराष्ट्र के धाराशिव में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत, मध्यप्रदेश के कटनी जिले के बरही में छह जिंदगियों का असमय खत्म हो जाना, सिवनी में छह लोगों की दर्दनाक मौत, उज्जैन में बुजुर्ग की जान जाना, दिल्ली के नरेला में पटाखे से एक बच्चे की मौत, राजस्थान के पाली में दो लोगों की मृत्यु और ओडिशा के कटक में सात साल के मासूम की मौत। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की उजड़ी हुई दुनिया है, जिनके घरों में दीपावली के दिन खुशियों के दीप जलने थे। इन हादसों ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर उत्सव के बीच सुरक्षा का सवाल हमारी प्राथमिकता क्यों नहीं बन पाता?सबसे अधिक चिंता मध्यप्रदेश के कटनी और सिवनी में हुए अग्निकांडों को लेकर है। बरही में तीन मंजिला इमारत में लगी आग ने एक ही परिवार के छह सदस्यों को मौत की नींद सुला दिया। घर में फंसे लोगों को समय पर सुरक्षित बाहर नहीं निकाला जा सका। सिवनी में भी इसी तरह एक मकान में आग लगने से छह लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने प्रदेश की अग्निशमन व्यवस्था, आपातकालीन प्रतिक्रिया और प्रशासनिक तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बरही की घटना ने तो व्यवस्था की संवेदनहीनता को भी उजागर किया। जब लोग अपनों की जिंदगी बचाने के लिए मदद मांग रहे थे, तब जिम्मेदार अधिकारियों के फोन तक नहीं उठने की शिकायतें सामने आईं। घटना के कई घंटे बाद वरिष्ठ अधिकारियों का मौके पर पहुंचना और फिर व्यवस्थागत कमियों को स्वीकार करना, इस बात का संकेत है कि आपदा से निपटने की तैयारी कागजों और दावों से आगे नहीं बढ़ पाई है। आखिर संकट के समय आम आदमी किसके भरोसे रहे। मुंबई में दीपावली के दौरान दमकल विभाग को 142 फायर कॉल मिलना और इनमें 137 का पटाखों से संबंधित होना भी खतरे की गंभीरता बताता है। यह स्पष्ट करता है कि दीपावली के दौरान आगजनी की आशंका सामान्य दिनों की तुलना में कितनी बढ़ जाती है। इसके बावजूद कई शहरों में दमकल वाहनों की उपलब्धता, प्रशिक्षित कर्मचारियों, आधुनिक उपकरणों और त्वरित पहुंच की व्यवस्था पर्याप्त नहीं दिखाई देती। यह भी समझना होगा कि आग लगने की घटनाओं के पीछे केवल पटाखे या दीपक ही जिम्मेदार नहीं होते। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, इमारतों में सुरक्षा इंतजामों का अभाव, बिजली की खराब वायरिंग, आपातकालीन निकास का बंद होना और दमकल वाहनों का घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाना भी हादसों को भयावह बना देता है। कई बार आग छोटी होती है, लेकिन बचाव व्यवस्था की कमजोरी उसे बड़ी त्रासदी में बदल देती है। अब वक्त केवल शोक व्यक्त करने और मुआवजे की घोषणा करने का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने का है। प्रत्येक जिले में दमकल व्यवस्था का ऑडिट होना चाहिए। पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड वाहन, प्रशिक्षित दमकल कर्मी, आधुनिक उपकरण और चौबीस घंटे सक्रिय आपातकालीन हेल्पलाइन सुनिश्चित की जानी चाहिए। संकरी बस्तियों में छोटे दमकल वाहनों और त्वरित बचाव दल की व्यवस्था होनी चाहिए। बहुमंजिला इमारतों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आवासीय परिसरों में अग्नि सुरक्षा मानकों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। दीपक और पटाखों का इस्तेमाल सावधानी से हो, ज्वलनशील सामग्री सुरक्षित स्थानों पर रखी जाए और घरों में आग से बचाव के प्राथमिक उपकरण उपलब्ध हों। बच्चों को पटाखों से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। दीपावली का वास्तविक संदेश केवल घरों को रोशन करना नहीं, बल्कि जीवन में उजाला लाना है। लेकिन जब एक ही रात में इतने परिवारों के चिराग बुझ जाएं तो उत्सव की चमक पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार और प्रशासन को समझना होगा कि आपदा के बाद घटनास्थल पर पहुंचना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि आपदा आने से पहले ऐसी व्यवस्था तैयार करना असली जिम्मेदारी है। हर अग्निकांड के बाद जांच, मुआवजा और आश्वासन की औपचारिकता निभाने से अब काम नहीं चलेगा। जरूरत इस बात की है कि हादसों से सबक लेकर व्यवस्था को बदला जाए और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो। आखिर कब तक आग में जलती रहेंगी जिंदगियां और कब तक हादसों के बाद ही जागेगा प्रशासन? दीपावली के दीप फिर जलेंगे, उत्सव फिर आएंगे, लेकिन जिन घरों के चिराग बुझ गए, वहां खुशियां लौटाना किसी के बस में नहीं। अब समय है कि सरकार और प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में किसी परिवार की दीपावली इस तरह मातम में न बदले।

कड़वे वचन



पहाड़ों पर जल की एक बूंद भी नहीं दिखाई देती फिर भी सारी नदियां पहाड़ों से ही निकलती हैं ।वेसे ही दिगम्बर मुनियों के पास परिग्रह के नाम पर कुछ नहीं होता पर वे किसी शहंशाह से कम नहीं होते और उधर समुद्र जल से लबालब भरा होता है किंतु समुद्र से कोई नदी नहीं निकलती । अमीरों के धर धन के भंडार भरे होते हैं पर उनके पास मन की शांति नहीं होती ।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-11 नवम्बर, 2026
दिन-बुधवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष



धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

वृष



घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

मिथुन



रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है

कर्क



व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा

सिंह



साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अथॉरिटी मिल सकती है।

कन्या



घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे

तुला



आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उत्तम दिनचर्या रखें।

वृश्चिक



सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।

धनु



दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे

मकर



अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे

कुंभ



बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

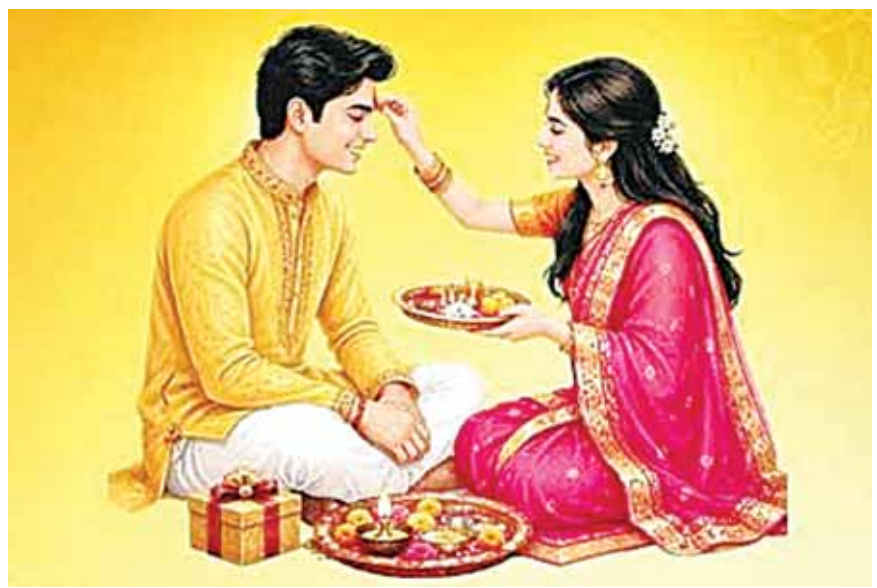
मीन



व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

भैया दूजः रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक

(भैया दूज (11 नवम्बर 2026) पर विशेष)



भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।

पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मर्यादा का भाव जोड़ा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। चकमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है।भैया दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। चकोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानीज वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता।

आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां च्यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ज्ञ की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जुड़ा भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से भैया दूज का ऐतिहासिक पर्व भाई-बहन के पवित्र एवं पावन रिश्ते को एक नया विश्वास एवं सौहार्द का शिखर देने का पर्व है।

भैया दूज हमें अंततः यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। प्रेम बांटने से घटता नहीं, बचाता है, विश्वास देने से टूटता नहीं, गहरा होता है। इसलिए इस बार भैया दूज पर केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी न करें, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लें। जब रिश्तों में स्वार्थ की जगह समर्पण, औपचारिकता की जगह आत्मीयता और प्रदर्शन की जगह संस्कार होंगे, तभी भैया दूज वास्तव में सार्थक होगा। दीपावली के दीपों के बीच यह पर्व हमें यही संदेश देता है-घर का उजाला बिजली से नहीं, रिश्तों की गर्माहट से होता है और जिस समाज के रिश्ते जीवंत हों, उसकी संस्कृति कभी अंधकार में नहीं जा सकती।

(लेखक - ललित गर्ग)

नागरिक की स्वतंत्रता पर पहरा अब पुलिस की मनमानी नहीं चलेगी

सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम फैसला

कानून का शासन किसी भी लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत होता है। इसकी सार्थकता तभी है जब कानून बनाने वाले ही नहीं, बल्कि कानून लागू करने वाली संस्थाएं भी उसके दायरे में रहकर काम करें। किसी व्यक्ति पर संदेह होना, उसके विरुद्ध शिकायत मिलना अथवा किसी अपराध में संलिप्तता की आशंका होना पुलिस को यह अधिकार नहीं देता कि वह अपनी इच्छा से उसकी स्वतंत्रता छीन ले। अपराध की जांच करना पुलिस का कर्तव्य है, लेकिन जांच की आड़ में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी महत्वपूर्ण सिद्धांत को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले के माध्यम से और स्पष्ट कर दिया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि किसी व्यक्ति को वास्तविक रूप से हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य है। इस अवधि की गणना पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की औपचारिक कार्रवाई पूरी करने के समय से नहीं, बल्कि व्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित किए जाने के वास्तविक समय से होगी। अर्थात किसी व्यक्ति को पूछताछ के नाम पर थाने में रोककर बाद में गिरफ्तारी दिखाने की प्रक्रिया को संवैधानिक सुरक्षा से बचने का रास्ता नहीं बनाया जा सकता। निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं करने पर हिरासत अवैध होगी और संबंधित व्यक्ति की रिहाई आवश्यक होगी। इस निर्णय का सबसे बड़ा महत्व यह है कि न्यायालय ने नागरिक स्वतंत्रता को केवल कागजी अधिकार मानने के बजाय उसकी व्यावहारिक सुरक्षा पर जोर दिया है। संविधान का अनुच्छेद 22(2) स्पष्ट करता है कि गिरफ्तार व्यक्ति को यात्रा के आवश्यक समय को छोड़कर 24 घंटे के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हिरासत और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच अंतर बताकर इस संवैधानिक प्रावधान को निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ का यह दृष्टिकोण पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ाने वाला है।

भारतीय समाज में लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि पुलिस के सामने आम नागरिक की आवाज कमजोर पड़ जाती है। किसी व्यक्ति को संदेह के आधार पर थाने बुलाया गया तो परिवार के सदस्य भी यह पूछने से डरते थे कि उसे किस कारण रोका गया है और कब छोड़ा जाएगा। कई बार पूछताछ की प्रक्रिया लंबी खिंच जाती थी और औपचारिक गिरफ्तारी बाद में दर्ज की जाती थी। ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति और उसके परिवार को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। कानून की जानकारी का अभाव भी इस समस्या को बढ़ाता था। अनेक लोग पुलिस की कार्रवाई को ही अंतिम मानकर अपने अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठा पाते थे।

लेकिन बदलते समय के साथ नागरिकों की सोच और जागरूकता में भी बदलाव आया है। आज शिक्षा, संचार माध्यमों और कानूनी जानकारी की उपलब्धता ने आम व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाया है। अब नागरिक यह जानना चाहता है कि पुलिस किस कानूनी आधार पर उसे रोक रही है, हिरासत का समय कब से माना जाएगा और उसे न्यायालय के सामने कब प्रस्तुत किया जाएगा। यह जागरूकता किसी सरकारी संस्था के प्रति विरोध नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही की मांग है। पुलिस अधिकारी को भी यह समझना होगा कि वर्दी का सम्मान तभी बढ़ता है जब उसका इस्तेमाल कानून और जनसेवा के अनुरूप हो।

सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला पुलिस और जांच एजेंसियों के काम में अनुशासन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जांच की आवश्यकता और नागरिक की स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखना न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी है। अपराध की गंभीरता चाहे कितनी भी हो, जांच एजेंसियों को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना ही होगा। किसी व्यक्ति को केवल इसलिए अनिश्चित समय तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता कि उससे पूछताछ की जानी है। यदि आगे की जांच के लिए हिरासत आवश्यक है तो संबंधित एजेंसी को निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के सामने अपना पक्ष रखना होगा। न्यायिक अधिकारी तथ्यों और कानून के आधार पर निर्णय करेंगे।

इस व्यवस्था में मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। अब न्यायिक अधिकारी को यह देखना होगा कि व्यक्ति को वास्तव में कब हिरासत में लिया गया था और उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने में संवैधानिक समय सीमा का पालन हुआ या नहीं। केवल पुलिस द्वारा दर्ज की गई गिरफ्तारी की तारीख और समय को अंतिम आधार मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। हिरासत की वास्तविक परिस्थितियों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी और किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को अनावश्यक रूप से सीमित करने की संभावना कम होगी।

यह समझना भी जरूरी है कि इस फैसले का अर्थ अपराधियों को संरक्षण देना नहीं है। कानून के विरुद्ध काम करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। समाज की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का महत्वपूर्ण दायित्व है। लेकिन लोकतंत्र में पुलिस की शक्ति असीमित नहीं हो सकती। अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। जिस प्रकार नागरिक से कानून का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार पुलिस और प्रशासन से भी कानून के प्रत्येक प्रावधान का पालन अपेक्षित है। न्याय का सिद्धांत यही है कि दोषी को सजा मिले और निर्दोष के अधिकार सुरक्षित रहें।

आज आवश्यकता है कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और पुलिस प्रशासन भी इस निर्णय की भावना को अपनी कार्यशैली में अपनाए। किसी व्यक्ति को हिरासत में लेने की स्थिति में उसके परिजनों को नियमानुसार जानकारी मिले, हिरासत का समय स्पष्ट रहे और निर्धारित अवधि में न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो। वकीलों और कानूनी सहायता से जुड़े लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें।

सर्वोच्च न्यायालय का यह संदेश स्पष्ट है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। पुलिस की शक्ति कानून से मिलती है और उसी कानून की मर्यादा में उसका उपयोग होना चाहिए। नागरिक की स्वतंत्रता किसी अधिकारी की इच्छा पर निर्भर नहीं हो सकती। 24 घंटे की संवैधानिक सीमा का पालन केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतंत्र में व्यक्ति के सम्मान, सुरक्षा और न्याय का आधार है। जागरूक नागरिक और जवाबदेह प्रशासन ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान हैं।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

जीवन में क्यों जरूरी है विचारशील होना

किसी चीज के बारे में सोचने या समझने की कोशिश में दिमाग में बनने वाली अवधारणा को विचार कह सकते हैं। यह मन के भीतर होने वाली एक ऐसी प्रक्रिया है जो सोच से भिन्न है। सोच एक अनैच्छिक प्रक्रिया है जो चलती रहती है और इसके विषय बदलते रहते हैं। परन्तु विचारना अधिकांशतः एक योजनाबद्ध प्रक्रिया है, एक ही विषय पर केंद्रित होकर सोचने से विचार का जन्म होता है। सावधानीपूर्वक विचार करने की आदत को विचारशीलता कहते हैं। जब कोई व्यक्ति ऐसी प्रवृत्ति को अपने भीतर विकसित कर लेता है तो उसे विचारशील व्यक्ति कह सकते हैं। कहते हैं मनुष्य के अलावा कोई प्राणी विचार नहीं कर पाता। एक तो मनुष्य प्राणी जगत् का सबसे प्रबुद्ध और बुद्धिमान प्राणी माना जाता रहा है और दूसरे मानवीय संवेदना मनुष्य को एकाकी नहीं बनाकर अपने परिवेश और अन्य प्राणियों के प्रति भी जवाबदेह बनाती है। अतः अपने साथ-साथ अपने चारों ओर के परिवेश के बारे में, प्रकृति में अन्य उपस्थित प्राणियों के बारे में विचार करना मनुष्य के दायित्वों में शामिल होता है। विचारशीलता का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। यह हमें सही मार्ग चुनने और सही-गलत को पहचानने का विवेक देता है। हमारे जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाता है और किसी भी कार्य को करने से पहले उसके बारे में सोचने-समझने की आदत विकसित करता है। ऐसी समझ और सूझबूझ से ही चिंतन सम्भव होता है। हम कहे-सुने हुए के तात्कालिक प्रभावों की अनदेखी कर चीजों की तह में जाना सीखते हैं, चमक-दमक के पीछे छिपी असलियत को पहचानने लगते हैं। हम चीजों को वैसा देखना सीख सकते हैं जैसी वे वास्तव में हैं, मनुष्य के बिना हैं। विचारशीलता मनुष्य के स्वास्थ्य और उसकी सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। वहीं हर तरह के संबंधों को निभाने और रिश्तों को स्थायित्व देना भी विचारने से ही सम्भव होता है। रिश्ते तभी स्वस्थ रहते हैं जब हम दूसरे की जरूरतों और भावनाओं को समझ सकें और ऐसा तभी सम्भव है जब हममें उन्हें समझने की क्षमता हो। सही निर्णय हेतु दृष्टि में जिस गहराई और सजगता की आवश्यकता होती है वह विचारशीलता से सम्भव होती है।आज के समय में जब मनुष्य के पास तात्कालिक प्रतिक्रिया देने के साधन बहुत ज्यादा हो गए हैं और उसे नकारात्मकता एवं संशय की तरफ धकेलने वाली स्थितियाँ बड़ी हैं इससे संबंधों में संतुलन के लिए जरूरी है कि हम थोड़ा ठहरकर सोचने-समझने की क्षमता विकसित करें। पारस्परिक संबंधों में बड़ी जटिलता को सहज करने हेतु हर कदम सोच-समझकर बढ़ाना आवश्यक हो गया है। संचार के साधनों ने मनुष्य को स्वतन्त्र तो किया है किन्तु संयम रखना भुला दिया है। मनुष्य बातचीत भूलता गया है और एकतरफा प्रतिक्रिया देने का आदी हो गया है। यह आज के समय की मनोवैज्ञानिक समस्या है। हम दूसरे पक्ष को लगभग अनुपस्थित मानकर चलने लगे हैं, हम खाली जगहों की चिन्ता नहीं करते, हमने शब्द उगलते रहने को बतियाना समझ लिया है। विचारशीलता हमें इस तरह की अनेक समस्याओं से बचाती है इस तरह वह बहस और बातचीत एवं लड़ाई और मत भिन्नता के मध्य के अन्तर को समझने की सामर्थ्य हमें देती है। विचारशीलता का सबसे बड़ा लाभ तात्कालिक प्रतिक्रियाओं से बचने की इसकी सम्भावना में है। मनुष्य के सामाजिक जीवन में, रिश्तों-नातों में खटास की सबसे साधारण वजह चीजों पर तात्कालिक प्रतिक्रिया देने की मनुष्य की आदत है। अक्सर द्वेष, प्रतिस्पर्द्धा या बदले की भावना में बहकर मनुष्य बेवजह अनर्गल बोल देता है जिसे लेकर बाद में उसे पछतावा भी होता है। विचारशीलता तत्काल प्रतिक्रिया देने की आदत में प्रतिरोध का काम करती है। इससे मनुष्य करुणापूर्ण दृष्टि से दूसरे की स्थिति को समझने की कोशिश करता है। विचारशीलता भावनात्मक बौद्धिकता को विकसित करती है जिससे आज के समय में होने वाले अनेक प्रकार के तनावों और अवसाद से बचा जा सकता है। विचारशीलता समस्याओं को समझने की दृष्टि देती है जो उनके समाधान की तरफ पहला कदम है। विचारशीलता हमें बेहतर श्रोता बनाती है जो स्पष्ट और खुली बातचीत के लिए आधार बनता है। यह हमें असहमति के दौरान भी दूसरों की भावनाओं और दृष्टिकोणों का ध्यान रखने हेतु प्रेरित करता है। दूसरे का सम्मान करना सिखाता है। इससे संबंधों में खुलापन और स्थायित्व रहता है। विचारशीलता स्थायी संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह जीवन के उतार-चढ़ाव में रिश्तों को जोड़े रखने में सीमेंट का कार्य करता है। **(लेखिका-मोनिका भाम्भू कलाना)**

रेल पेंशनरों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र शिविर आयोजित



नर्मदापुरम/इटारसी। पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा रेल सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (फ्रष्ट 5.0) अभियान के अंतर्गत 10 नवम्बर को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, इटारसी में विशेष शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने एवं बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान 45 से अधिक पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए गए।कार्यक्रम में एसबीआई मुख्य शाखा के शाखा प्रबंधक सुजीत, सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन के रामशरण प्रजापति एवं याकूब अली उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में इटारसी के सभी कल्याण निरीक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा पेंशनरों को आवश्यक सहयोग एवं तकनीकी सहायता प्रदान की।

स्टेशन रोड थाना पुलिस की कार्रवाई

पुलिस टीम ने 10 घंटे के भीतर किया नकबजनी के आरोपी को गिरफ्तार





नर्मदापुरम/पिपरिया। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी आशीष पवार के कुशल नेतृत्व में स्टेशन रोड थाना टी आई महेंद्र सिंह बघेल और उनकी टीम ने नकबजनी मामले का 10 घंटे में पर्दाफाश करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि भारत फायनेंशियल इंक्लूजन (बैंक) पिपरिया के प्रबंधक राजकुमार यादव ने थाने में आकर सूचना दी कि 9-10 नवंबर की दरम्यानी रात किसी अज्ञात चोर ने बैंक का ताला तोड़ कर बैंक के अंदर रखी तिजोरी का ताला तोड़ने का प्रयास किया।बैंक के अंदर से 2 नग लिनेवो कंपनी के टेबलेट चोरी कर लिये है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना स्टेशन रोड पिपरिया में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध नकबजनी करने संबंधी धाराओं 305 (ए), 331 (4) बी. एन. एस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।थाना प्रभारी स्टेशन रोड पिपरिया द्वारा अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पृथक पृथक टीमें बनाकर आरोपी की खोजबीन शुरु की गई । टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए आस पास के लगभग 25 सी.सी.टी.व्ही कैमरों के फुटेज, घटना स्थल पर मिले भौतिक एवं तकनीकि साक्ष्यों को एकत्रित कर संदेह के आधार पर नितिन उर्फ सेंडा निवासी गली नं.एक टावर मोहल्ला पिपरिया को चिन्हित करते हुए आभिरक्षा में लिया गया ।जो कि घटना अवधि में बैंक तरफसे आते जाते संदिग्ध गतिविधि करते दिखाई दिया था ।तथा जिस पर पूर्व से चोरी,नकबजनी के अपराध पंजीबद्ध है। संदिग्ध नितिन उर्फसेंडा से घटना के संबंध में बारीकी से पूछताछ की गई। जो कि आरोपी द्वारा बैंक की पीछे वाली दीवार में लगे पाईप के सहारे बैंक की छत पर चढ़ कर बैंक में प्रवेश कर ताला तोड़ कर नकबजनी करना स्वीकार किया। विधिपूर्वक कार्यवाही करते हुये आरोपी के कब्जे से चोरी किये हुये दो नग टेबलेट कीमती करीबन 70 हजार रूपये बरामद किये गये है। आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से अन्य चोरी के अपराधो के संबंध में भी गहनता से पूछताछ की जा रही है कार्रवाई उपरांत आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जायेगा। पुलिस ने बताया कि आरोपी थाना क्षेत्र का निगरानी बदमाश है इसके विरुद्ध थाना स्टेशन रोड पिपरिया में करीब 1 दर्जन चोरी व नकबजनी के अपराध पंजीबद्ध है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक महेन्द्र सिंह बघेल, उ.नि राजेन्द्र सिंह कुशवाहा, उ.नि जी.एस ठाकुर, प्र.आर. प्रकाश, आर. अजय चौहान,आर. प्रभाकर, आर. अभिषेक, आर. संजय एवं सायबर सेल से आरक्षक प्रशांत राजपूत की सक्रिय भूमिका रही।

तेज रफ्तार ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए पश्चिम मध्य रेलवे की बड़ी पहल

भोपाल। पमरे भोपाल मंडल के द्वारा रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, संरक्षित एवं निर्बाध बनाने तथा रेलवे ट्रैक पर मवेशियों के प्रवेश से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में व्यापक स्तर पर संरक्षा संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में खंडवा से बीना तक रेलखंड के दोनों ओर कुल 530 किलोमीटर लंबाई में सुरक्षा घेरा (फेंसिंग) लगाने की महत्वाकांक्षी योजना पर कार्य किया जा रहा है।इस योजना के तहत अब तक कुल 74 किलोमीटर सुरक्षा घेरा लगाने का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसमें खंडवा-इटारसी रेलखंड पर 49 किलोमीटर, इटारसी-भोपाल रेलखंड पर 4 किलोमीटर तथा भोपाल-बीना रेलखंड पर 21 किलोमीटर का कार्य शामिल है। पूर्ण किए गए कार्य पर लगभग 2.88 करोड़ रुपये की लागत आई है। शेष कार्य को तेजी से पूरा करते हुए मार्च 2027 तक संपूर्ण 530 किलोमीटर सुरक्षा घेरा तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।





बुधनी-बरखेड़ा घाट सेक्शन में 4 एनिमल ओवरपास निर्मित

मवेशियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने तथा उन्हें रेलवे ट्रैक पर आने से रोकने के लिए बुधनी -बरखेड़ा घाट सेक्शन में कुल 4 एनिमल ओवरपास का निर्माण भी पूरा किया जा चुका है। इनमें 3 ओवरपास अप लाइन तथा 1 ओवरपास मिडिल लाइन में निर्मित किए गए हैं। इन विशेष संरचनाओं के माध्यम से मवेशियों को रेलवे ट्रैक पार करने के लिए सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराया गया है।भोपाल मंडल में 130 किलोमीटर प्रति घंटे एवं उससे अधिक गति से ट्रेनों के सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन की दिशा में ये कार्य विशेष महत्व रखते हैं। रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सुरक्षा घेरा और उपयुक्त स्थानों पर एनिमल ओवरपास की व्यवस्था से मवेशियों के ट्रैक पर पहुंचने की आशंका कम होगी। इससे ट्रेनों के परिचालन में अनावश्यक व्यवधान, संभावित दुर्घटनाओं तथा रेलवे परिसंपत्तियों को होने वाले नुकसान की रोकथाम में मदद मिलेगी।सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक तकनीक, बेहतर आधारभूत संरचना एवं प्रभावी संरक्षा उपायों के माध्यम से रेल परिचालन को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

-अधिसूचना-

धारा-19(1) के तहत् पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन घोषणा का प्रकाशन

क्रमांक/ 785/भू-अर्जन / 2026 नरसिंहपुर, दिनांक 01/10/2026

रा.मा.क्र. 003 / अ-82/2025-26 ग्राम-दिल्हैरी प.ह.न.-57 न.ब. 249 तहसील-करेली

जहां सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन शक्कर पेंच लिंक संयुक्त परियोजना (फेज-2) के डूब क्षेत्र हेतु ग्राम-दिल्हैरी प.ह.न.-57 न.ब. 249 तहसील-करेली, जिला-नरसिंहपुर के कुल 79.186 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है इसलिये घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन भू-खंड है, जो 79.186 हेक्टेयर है ग्राम-दिल्हैरी तहसील-करेली जिला-नरसिंहपुर में है, जिसका विस्तृत ब्यौरा निम्नलिखित है :-

अनुसूची-1

1. भूमि का वर्णन

क.	जिला	नरसिंहपुर
ख.	तहसील	करेली
ग.	नगर/ग्राम	ग्राम-दिल्हैरी, प.ह.नं.-57 ब.नं.-249 रा.नि.मं. 03 आमगांव
घ.	प्रभावित परिवारों की संख्या	61
ङ	अर्जित किये जाने वाला प्रस्तावित रकवा	79.186 हेक्टेयर एवं प्रस्वावित क्षेत्रफल पर आने वाली परिसम्पत्तियां

अनुसूची-2

(प्रभावित धारकों की सूची)

सं. क्र.	धारा-11 में प्रकाशित नाम	खसरा नं.	कुल रकवा हेक्टेयर	अर्जित रकवा हेक्टेयर	विवरण
1	2	3	4	5	7
1	जानकीबाई पत्नी रामलाल गौंड सा, दिल्हैरी	651/3(S)	1.465	2.128	
		699(S)	0.663		
2	भादू पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	651/2(S)	0.890	0.383	
3	बिस्सोबाई वेबा रुपसा, अच्छेलाल, पीतम, एतियाबाई पिता रुपसा गोंड	655(S)	1.189	1.189	
4	रामलाल पिता रत्तम गौंड सा, दिल्हैरी	656(S)	1.590	1.590	
5	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	657(S)	0.615	0.615	
6	भागचंद्र पिता त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	658(S)	2.371	2.371	
7	गिरानूबाई पति चेतू विनीताबाई पिता चेतू गौंड सा, दिल्हैरी	659(S)	4.128	4.128	
8	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	660(S)	0.938	0.938	
9	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	661(S)	0.571	0.571	
10	फूलाबाई पत्नी हन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	662(S)	2.452	2.452	
11	फूलाबाई पत्नी हन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	663(S)	0.510	0.510	
12	शनिराम जीजीबाई वर्षा पिता गनेश गौंड सा, दिल्हैरी	664/1(S)	0.541	0.541	
13	भुगियाबाई पत्नी किशोर गौंड सा, दिल्हैरी	664/2(S)	0.300	0.300	
14	रामजी पिता दित्रू गौंड सा, दिल्हैरी	665(S)	1.036	0.730	
15	भुगियाबाई पत्नी किशोर, जगवती, सियावती भगवती, सियाराम पिता किशोर गौंड सा, दिल्हैरी	675/1 (S)	0.509	0.509	
16	गेंदालाल पिता रामदयाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	675/2(S)	0.509	0.509	
17	किशन पिता रामदयाल ठाकुर सा. दिल्हैरी	675/3(S)	0.509	0.509	
18	मानवती इनवती पति कमलभान पता नरसिंहपुर	675/4(S)	0.509	0.509	
19	नौनेशा पिता रामदयाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	675/5(S)	0.509	0.509	
20	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	676/1(S)	1.269	1.269	
21	नोनैसा पिता रामदयाल गौंड सा दिलैरी	676/2(S)	2.000	2.000	
22	विष्णु पिता हरप्रसाद गोड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	677(S)	0.777	0.777	
23	रतनलाल पिता कारे गौंड सा दिल्हैरी	678(S)	0.898	0.898	
24	फूलाबाई पत्नी हन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	679(S)	0.210	0.210	
25	विष्णु पिता हरप्रसाद गोड, पता भेरोपुर, तहसील गाडरवारा	680(S)	1.615	1.615	
26	रतनलाल पिता कारे गौंड सा, दिल्हैरी	681(S)	1.412	1.412	
27	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा. दिल्हैरी	682(S)	0.624	0.624	
28	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	683(S)	0.603	0.603	
29	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	684(S)	0.680	0.680	
30	भुगियाबाई पत्नी किशोर गौंड सा, दिल्हैरी	685(S)	1.064	1.064	
31	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	686(S)	0.963	0.963	
32	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	687(S)	0.405	0.405	
33	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	689/1(S)	0.583	0.583	
34	छोटीबाई बेबा वीरेंद्र, संतलाल पिता वीरेंद्र गौंड सा, दिल्हैरी	689/2(S)	1.234	1.234	
35	रामजी पिता दिन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	690(S)	0.316	0.316	
36	जानकीबाई पत्नी रामलाल गौंड सा, दिल्हैरी	691(S)	0.894	0.894	
37	अनीता पिता चेतू गिरानूबाई बेबा चेतू गौंड सा, दिल्हैरी	692(S)	0.696	0.696	
38	भादू पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	693(S)	0.720	0.991	
		694/1(S)	0.271		
39	मनोवती पत्नी बक्तू गौंड सा, दिल्हैरी	694/2(S)	0.295	0.295	
40	मनोवती पत्नी बक्तू गौंड सा, दिल्हैरी	695(S)	1.858	1.858	
41	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	697(S)	0.749	0.749	
42	रामलाल पिता रत्तम गौंड सा, दिल्हैरी	698(S)	0.898	0.898	
43	शनिराम जीजीबाई वर्षा पिता गनेश गौंड सा, दिल्हैरी	700(S)	1.942	1.942	
44	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	701(S)	0.279	0.279	
45	शनिराम जीजीबाई वर्षा पिता गनेश गौंड सा, दिल्हैरी	702(S)	0.971	0.971	
46	रक्खन पिता बलीराम गौंड सा, दिल्हैरी	703(S)	0.906	2.160	
		704(S)	1.254		
47	रामलाल पिता रत्तम गौंड सा. दिल्हैरी	705(S)	0.299	0.299	
48	भादूपिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	706(S)	1.303	1.303	
49	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश, दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	707(S)	1.254	1.254	
50	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	708(S)	0.518	0.518	
51	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	709/1(S)	0.424	0.424	
52	नौनेसा पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	709/2(S)	0.425	0.425	
53	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	710(S)	0.405	0.405	
54	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	711/1(S)	0.280	0.280	
55	नौनेसा पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	711/2(S)	0.279	0.279	
56	रज्जु पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	712(S)	1.121	1.121	
57	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	713/1(S)	0.623	0.623	
58	अनीता पिता चेतू गिरानूबाई बेबा चेतू गौंड सा, दिल्हैरी	713/2(S)	0.600	0.600	
59	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	715(S)	0.259	0.259	
60	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	717(S)	1.753	1.753	
61	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	718(S)	0.717	0.717	
62	फूलाबाई पत्नी हन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	719(S)	1.121	1.506	
		735(S)	0.385		
63	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	720(S)	0.943	0.943	
64	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	721/1(S)	0.473	0.473	
65	संतवती नाबलिग पिता वीरेद्र संरक्षक छोटीबाई गौंड सा, दिल्हैरी	721/2(S)	0.405	0.405	
66	भजन पिता रामसनेही गौंड सा, दिल्हैरी	722(S)	0.757	0.757	
67	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	723(S)	0.470	0.470	
68	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	724(S)	0.757	0.757	
69	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	725/1(S)	0.221	0.221	
70	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	725/2(S)	0.220	0.220	
71	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	726/1(S)	0.227	0.227	
72	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	726/2(S)	0.227	0.227	
73	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	727(S)	0.271	0.271	
74	शानिराम जीजीबाइ वर्षा पिता गनेश गौंड सा, दिल्हैरी	728/1(S)	0.140	0.140	
75	भुगियाबाई पत्नी किशोर गौंड सा, दिल्हैरी	728/2(S)	0.139	0.139	
76	भागचंद्र पिता त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	729/1(S)	0.046	0.046	
77	अनीता पिता चेतू गिरानूबाई बेवा चेतू गौंड सा, दिल्हैरी	729/2(S)	0.046	0.046	
78	पूनाबाई पत्नी बलीराम गौंड सा, दिल्हैरी	729/3(S)	0.046	0.046	
79	नौनेसा पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	731(S)	0.109	0.109	
80	रामलाल पिता रतन ठाकुर सा, दिल्हैरी	732/1(S)	0.162	0.162	
81	रतनलाल पिता कारे गौंड सा, दिल्हैरी	732/2(S)	0.421	0.421	
82	रतनलाल पिता कारे गौंड सा, दिल्हैरी	733(S)	0.081	0.081	
83	रामलाल पिता रत्तम गौंड सा, दिल्हैरी	734/1(S)	0.406	0.406	
84	भजन पिता रामसनेही गौंड सा, दिल्हैरी	734/2(S)	0.303	0.303	
85	भादु पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	736(S)	0.182	0.182	
86	रामजी पिता दिन्नू गौंड सा. दिल्हैरी	737(S)	0.162	0.162	
87	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	739(S)	0.255	0.255	
88	भागचंद्र पिता त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	740(S)	0.283	0.283	
89	सीताराम किशन भदूकदू पिता सीताराम पिता सुम्मी गौंड सा, दिल्हैरी	743/1(S)	0.405	0.405	
90	कददू पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	743/2(S)	0.910	0.910	
91	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	745(S)	0.328	0.328	
92	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	746(S)	0.162	0.162	
93	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	749(S)	0.466	0.466	
94	भजनलाल पिता रामसनेही गौंड सा, दिल्हैरी	750(S)	0.583	0.583	
95	पूनाबाई पत्नी बलीराम गौंड सा. दिल्हैरी	751(S)	2.298	2.298	
96	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	753(S)	0.413	0.413	
97	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	754(S)	0.652	0.652	
98	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड पता भेरोपुर तहसील गाडरवारा	755(S)	0.534	0.534	
99	भददू पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	757(S)	1.356	1.356	
100	छेटेलाल उर्फ सोमलाल पिता दित्रू गौंड सा, दिल्हैरी	758/1/1(S)	2.007	2.007	
101	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	758/1/2(S)	0.287	0.287	
102	बक्तु पिता हरीराम गौंड सा, दिल्हैरी	758/2(S)	1.000	1.000	
103	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	651/4(S) 651/4	0.890	0.890	
	कुल योग-		79.999	79.186	

(2) यह घोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के आक्षेपों को सुनने और भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (2013 का 30) की धारा 15 में यथा उपबंधित सम्यक जांच करने के पश्चात् की गयी है। भूमि अर्जन के प्रकरण पुनर्व्यवस्थापन के लिये सम्भावित कुटुम्ब की संख्या 61 है जिनके लिये पुनर्व्यवस्थापन के लिये क्षेत्र चिन्हित कर लिया गया है जिसका विवरण निम्नलिखित है- ग्राम-दिल्हैरी, रा.नि.म. -03 आमगांव, तहसील-करेली के खसरा नं. 363 का रकवा 6.552 हे. एवं खसरा नम्बर 497 रकवा 4.132 हे.।

उक्त भूमि के या उक्त भूमि के किसी भाग में पड़े कोयला, लौह पत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खानें हैं, खान और खनिज के ऐसे भागों में, जिन्हें उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना के निर्माण चरण के दौरान खोदे जाने या हटाये या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छोड़कर आवश्यक नहीं है।

परियोजना हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन स्कीम आयुक्त महोदय जबलपुर संभाग जबलपुर द्वारा पत्र क्रमांक-328 / राजस्व शाखा-1/2026 जबलपुर दिनांक 27/05/2026 द्वारा अनुमोदन किया जा चुका है। जिसका सार निम्नानुसार है-

(1) ग्रामीण क्षेत्र में प्रभावित किसी मकान से वंचित किये जाने की दशा में प्रधानमंत्री आवास योजना विनिर्देशों के अनुसार एक निर्मित मकान उपलब्ध कराया जाएगा जिसका कुर्सी क्षेत्र 2400 वर्गफुट होगा। (2) कॉडिका-1 में वर्णित फायदों को ऐसे किसी प्रभावित कुटुम्बों को, जो वासक्षेत्र भूमि से रहित है और जो प्रभावित क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती तीन वर्ष से अन्य अवधि तक लगातार क्षेत्र में रह रहा है और जिसे ऐसे क्षेत्र से अनिच्छा से विस्थापित किया गया है भी विस्तारित किया जाएगा। (3) यदि कोई प्रभावित कुटुंब जो प्रस्थापित मकान को न लेने का विकल्प करता है, तो निर्मित मकान के बदले मकान के समतुल्य खर्च प्रस्थापित किया जा सकेगा। (4) अर्जन से प्रभावित किसी कुटुंब को इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन एक से अधिक मकान नहीं दिया जाएगा। (5) ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब को पांच लाख रूपए का एक बारगीसंदाय दिया जावेगा एवं ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब, जिसे अर्जित भूमि से विस्थापित किया गया है. को अधिनिर्णय की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक प्रतिमास तीन हजार रूपये के समतुल्य मासवार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। इस रकम के अतिरिक्त अनुसूचित क्षेत्रों से विस्थापित किए गए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग पचास हजार रुपए के समतुल्य रकम प्राप्त करेंगे। (6) ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब जो विस्थापित हुआ है, को कुटुंब, भवन सामग्री, घरेलू सामग्री और पशुओं के स्थानांतरण के लिए परिवहन खर्च के रूप में एक बार पचास हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। (7) पशु या छोटी दुकान रखने वाले को एक बार न्यूनतम पच्चीस हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी एवं कारीगरों एवं छोटे व्यापारियों को एक बार न्यूनतम पच्चीस हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। (8) प्रभावित कुटुंबों को जलाशय में मछली पकड़ने के अधिकार की अनुज्ञा ऐत्ती रीति में दी जा सकेगी जो समुचित सरकार द्वारा विहित की जाए। (9) प्रत्येक प्रभावित कुटुंब को केवल पचास हजार रूपये का एक बार पुनर्व्यवस्थापन भत्ता दिया जाएगा। (10) प्रभावित कुटुंबों को आवंटित भूमि या मकान के रजिस्ट्रीकरण के लिए संदेयस्टांप शुल्क और अन्य फीस का वहन अपेक्षक निकाय द्वारा किया जाएगा। (11) प्रभावित कुटुंबों को आवंटित मकान के लिए भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होगी। (12) आवंटित भूमि या मकान प्रभावित कुटुंब की पत्नि और पति दोनों के संयुक्त नाम में हो सकेगा। अधिनियम 2013 की तीसरी अनुसूची अनुसार प्रभावित कुटुंबों / जनसमुदाय के पुनर्व्यवस्थापन के लिए अध्यपेक्षा प्राधिकारी के खर्चे पर निम्नलिखित अवसंरचनात्मक सहूलियतें और मूलभूत न्यूनतम सुविधाए यह सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी कि नए गांव या कालोनी में पुनर्व्यवस्थापन जन समुदाय स्वयं के लिए एक युक्तियुक्त सामुदायिक जीवन स्तर प्राप्त कर सके और विस्थापन से हुए अभिघात को कम करने का प्रयास कर सकें। युक्तियुक्त वासयोग्य और नियोजित व्यवस्थापन के लिए न्यूनतम निम्नलिखित सहूलियतें और संसाधन उपलब्ध कराई जावेगी। (13) सभी पुनर्व्यवस्थापित कुटुंबों के लिए पुनर्व्यवस्थापित ग्रामों के भीतर सड़क और पक्की सड़क, मार्ग से जुड़ी बारहमासी सड़क और सुखाधिकार की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। (14) वास्तविक पुनर्व्यवस्थापन के पहले उचित निकासी और स्वच्छता योजनाएं निष्पादित की जाएं। (15) भारत सरकार द्वारा विहित मानकों के अनुसार प्रत्येक कुटुंब के लिए सुरक्षित पेयजल का एक या अधिक सुनिश्चित संसाधन। (16) पशु के लिए पेयजल की व्यवस्था। (17) राज्य की स्वीकार्य अनुपात के अनुसार चारागाह (18) उचित मूल्य की दुकान की युक्तियुक्त संख्या (19) यथेचित पंचायत घर (20) विस्थापित व्यक्तियों के पुनव्यवस्थापन के लिए स्थापित सभी नए ग्रामों को उपयुक्त परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी जिसमें नजदीकी विकास केन्द्र / शहरी रिहायशों से स्थानीय बस सेवाओं के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं अवश्य सम्मिलित होनी चाहिए। (21) जाति समुदायों और उनकी प्रथाओं के आधार पर कब्रिस्तान या शवदाह गृह (22) स्वच्छता के लिए सुविधाएं जिसके अंतर्गत व्यक्तिगत प्रसाधन बिन्दु (23) प्रत्येक घर और सार्वजनिक प्रकाश के लिए व्यक्तिगत एकल विद्युत कनेक्शन (या सौर ऊर्जा जैसे ऊर्जा के गैर-परंपरागत संसाधनों के माध्यम से कनेक्शन) (24) शिशु और माता को पूरक पोषणीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाली आंगनबाड़ी (25) निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (2009 का 35) के उपबंधों के अनुसार विद्यालय (26) दो किलोमीटर क्षेत्र के भीतर उप स्वास्थ्य केन्द्र (27) भारत सरकार द्वारा यथाविहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (28) बच्चो के लिए क्रीडाक्षेत्र (29) प्रत्येक सौ कुटुंबों के लिए एक सामुदायिक केन्द्र (30) प्रभावित क्षेत्र की संख्या और उनके आयाम से संगत प्रत्येक पचास कुटुंबों के लिए पूजा स्थल और सामुदायिक सभा के लिए चौपालध्वृक्ष चौतरा (31) व्यवस्थापन के लिए समुचित सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए यदि आवश्यक हो (32) मानको के अनुसार पशुपालन सेवा केन्द्र। (33) प्रभावित कुटुंबों के पुनर्व्यवस्थापन हेतु तहसील करेली के ग्राम दिल्हैरी में शासकीय भूमि खसरा नं. 363 का रकवा 6.552 हे0, खसरा नं. 497 का रकवा 4.132 हे. है। शक्कर पेंच लिंक संयुक्त परियोजना (फेज-2) शक्कर बांध अंतर्गत प्रभावित कुटुंबों को उपरोक्तानुसार पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन नीति के तहत एक 60×40 वर्गफुट का आवासीय भू-खण्ड चिन्हांकित खसरो के आवंटन पश्चात, प्रभावित कुटुंबों की मांग अनुसार आवंटन की कार्यवाही लाटरी के माध्यम से की जावेगी। (34) प्रभावित कुटुंबों के पुनर्व्यवस्थापन हेतु तहसील करेली के ग्राम दिल्हैरी में शासकीय भूमि चिन्हित की हुई है। (35) उपरोक्तानुसार लाभ एवं सुविधायें प्रभावित व्यक्तियों को प्रभावित ग्राम / मकानों में भू अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 11 की प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन दिनांक के पूर्व तीन वर्ष से अन्यून अवधि तक लगातार क्षेत्र में निवास करने की स्थिति में ही देय होगे तथा धारा 11 के प्रकाशन दिनांक के पूर्व तीन वर्ष से अन्यून अवधि तक लगातार क्षेत्र में निवास को प्रमाणित किये जाने हेतु दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किये जाने का उत्तरदायित्व संबंधित प्रभावित कुटुंबों (व्यक्तियों) का होगा। (36) अधिनियम की धारा 3डी के तहत प्रभावित कुटुंब (व्यक्ति) द

हजारों दीपों की रोशनी से जगमग हुआ कटायेघाट

श्रीराम सेवा समिति का 30 वां भव्य दीपदान एवं गंगा आरती कार्यक्रम





कटनी, यशभारत। कटनी के ऐतिहासिक कटायेघाट में श्रीराम सेवा समिति द्वारा आयोजित पारंपरिक एवं भव्य दीपदान और गंगा आरती कार्यक्रम इस वर्ष अपने 30वें वर्ष में प्रवेश करते हुए अत्यंत धूमधाम और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन में हजारों की संख्या में रामभक्तों, माताओं और बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 11 बजे से कटायेघाट हनुमान मंदिर के विद्वान पंडितों के मार्गदर्शन में हुई। पंडित कमलेश जी तिवारी, पं. कृष्ण किशोर गौतम जी, पं. शिवम गौतम और पं. शुभम गौतम के सान्निध्य में विशेष पूजा-अर्चना का शुभारंभ किया गया। इस दौरान अखंड ज्योत वर्तिका परिवर्तन, चोला परिवर्तन और ध्वजारोहण की रस्में पूरी निष्ठा के साथ निभाई गईं। इसके उपरांत उपस्थित रामभक्तों ने विधि-विधान से हवन और पूजन किया। संपूर्ण हवन-पूजन कार्यक्रम में समिति के संरक्षक डॉ. एस.के. खम्परिया, अध्यक्ष व पूर्व विधायक सुकीर्ति जैन, कार्यक्रम अध्यक्ष सुनील उपाध्याय, कार्यक्रम सचिव राजेंद्र मुनीम अग्रवाल सहित सैकड़ों की संख्या में रामभक्तों ने आहुतियां दीं।

सायंकालीन भजन, भगत गायन और भव्य गंगा आरती

संध्या ढलते ही कटायेघाट का पूरा परिसर दीपों की झिलमिलाहट और गूंजते भजनों से अलौकिक प्रतीत होने लगा। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित शिवम गौतम एवं शुभम् गौतम की मधुर वाणी से निकले भजन स्वर लहरी के साथ हुई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद, जालपा मढिया के पंडा श्री लाल जी पंडा के नेतृत्व में पारंपरिक भगत समाज द्वारा भगत गायन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात रीतेश पंडा द्वारा विधि-विधान के साथ भव्य गंगा आरती संपन्न कराई गई। आरती के इस दिव्य दृश्य के बाद हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु जनों ने नर्मदा तट पर दीपदान किया, जिससे पूरा कटायेघाट दीपों की रोशनी से जगमग हो उठा। इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में श्रीराम सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के सचिव विक्रम खम्परिया, सलाहकार द्वय ललित लल्लू सोनी व बी.के. चौबे, एमआईसी सदस्य सुभाष सिब्बू साहू, डॉ. रमेश सोनी, श्रीमती रजनी वर्मा, सुमन रजक, हेतराम बर्मन, जितेंद्र बड़गैया, संजय मिश्रा, नीतेश उपाध्याय, बृजेश गौतम, वंश खम्परिया, हितेंद्र स्वर्णकार, प्रदीप तिवारी, विवेक अग्रवाल, संतोष सेन, राजेश रावत, राजा जगवानी, संचित मनी जैन, आशीष तिवारी, सत्यप्रकाश द्विवेदी, सुनील द्विवेदी, सुजीत जैन, शशांक मोनू गुप्ता, चंद्रशेखर गुजर, आयुष खम्परिया, हृषदेयांश बड़गैयां, अनमोल चक्रवर्ती, उदय प्रताप सिंह, सूर्यांश टीपा, दिव्यांश द्विवेदी, प्रियांशु पाठक, वेदांत पटेल, देवेश चतुर्वेदी, अंबर असाटी, आर्यन दुबे, आयुष चौधरी, शोभित पाण्डेय और हर्षित साहू सहित हजारों की संख्या में राम भक्त और मातृशक्ति उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने 'जय जय सियाराम' के उद्घोष के साथ इस 30वें सफल आयोजन का समापन किया।



सिंधु नौजवान मंडल ने किया दीपदान



कटनी, यशभारत। सिंधु नौजवान मंडल कटनी के तत्वावधान में भगवान श्री झूलेलाल जी की कृपा एवं आशीर्वाद से विशाल दीपदान महोत्सव का भव्य आयोजन सिंधु झूलेलाल मंगलम, सरस्वती स्कूल रोड, नई बस्ती में संपन्न हुआ। शाम 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में समाजजनों ने उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ कुंड में दीप विसर्जित कर भगवान श्री झूलेलाल जी के प्रति अपनी श्रद्धा एवं आस्था प्रकट की। दीपों की जगमगाती रोशनी से पूरा परिसर भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण से आलोकित हो उठा। कार्यक्रम में पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत, सिंधु सेवा समिति , सिंधी काउंसिल,वरूण संस्था एवं मध्य प्रदेश मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही सिंधु नौजवान मंडल के वरिष्ठ सदस्यों, पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं बड़ी संख्या में समाजजनों ने सहभागिता की। इस आयोजन ने समाज में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता, भाईचारे एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सिंधु नौजवान मंडल द्वारा सभी संस्थाओं, अतिथियों, समाजजनों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

प्राथमिक शाला का हैंडपंप एक महीने से खराब

कंचनपुरा में पेयजल संकट, नाले का गंदा पानी पीने को मजबूर ग्रामवासी



रैपुरा, यशभारत। ग्राम पंचायत फतेहपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम कंचनपुरा में ग्रामीणों को भारी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। गांव के शासकीय प्राथमिक शाला के पास स्थित मुख्य हैंडपंप पिछले लगभग एक महीने से तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ा हुआ है। हैंडपंप के अंदर की पाइपलाइन टूट जाने की वजह से इससे पानी की एक-एक बूंद ही निकल पा रही है, जिससे ग्रामीणों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो चुकी है।

गंदा पानी पीने की मजबूरी

स्थानीय समाजसेवी अजय धुर्वे ने जानकारी देते हुए बताया कि शुद्ध पेयजल का कोई अन्य सुलभ साधन न होने के कारण गांव के पास से गुजरने वाले नाले का गंदा और दूषित पानी पीने के लिए ग्रामवासी मजबूर हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि दूषित पानी के सेवन से गांव में जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। यदि समय रहते समाधान न हुआ और गंदे पानी की वजह से कोई अप्रिय स्वास्थ्य संबंधी घटना घटती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। समस्या के त्वरित निराकरण के लिए अजय धुर्वे एवं ग्रामीणों ने संबंधित आला अधिकारियों को सूचित करने के साथ ही सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई है। अब देखना यह होगा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग इस गंभीर जनसमस्या पर कब तक संज्ञान लेता है और कब तक कंचनपुरा के निवासियों को इस भीषण पेयजल संकट से राहत दिला पाता है।

गुरु नानक जयंती पर अमृतवेला ट्रस्ट लगाएगा रक्तदान शिविर

कटनी, यशभारत। जिले के स्वास्थ्य ढांचे से एक चिंताजनक खबर सामने आ रही है। जिला अस्पताल स्थित जिला ब्लड बैंक में इन दिनों रक्त की कमी की समस्या बताई जा रही है। इसके चलते गंभीर मरीजों, विशेष रूप से मासूम बच्चों और गर्भवती महिलाओं को आवश्यकता के समय रक्त उपलब्ध कराने में परेशानी हो सकती है। ऐसे समय में मानव सेवा और परोपकार के उद्देश्य से अमृतवेला ट्रस्ट, माधव नगर द्वारा गुरु नानक जयंती के पावन अवसर पर 15 नवंबर रविवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक अमृतवेला पोपटानी हॉल, माधव नगर में आयोजित होगा। ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि गुरु नानक देव जी ने मानवता, सेवा और परोपकार का संदेश दिया है। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। रक्त की एक यूनिट किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकती है।

गौशाला आमा में गूंजे गौ माता के जयकारे

विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना,कर्मचारियों को 2100 की प्रोत्साहन राशि देकर किया सम्मानित



शाहनगर, यशभारत। पन्ना जिले के शाहनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत आमा में संचालित श्री शिव शंकर गौशाला में गोवर्धन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर गोवर्धन भगवान एवं गौ माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। सभी ने गौ माता की पूजा कर गौसेवा एवं संरक्षण का संकल्प लिया। गौशाला कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि देकर किया सम्मानित कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गौशाला में दिन-रात सेवाभाव से गौवंश की देखभाल करने वाले कर्मचारियों का सम्मान रहा। ग्राम पंचायत आमा की ओर से कर्मचारियों के उत्साहवर्धन एवं उनके समर्पण को प्रोत्साहित करने के लिए ?2,100 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस दौरान गौवंश की देखभाल, चारा-पानी की व्यवस्था, साफ-सफाई सहित दैनिक सेवाओं में कर्मचारियों के योगदान की सराहना की गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत आमा के सरपंच श्री राम किशन साहू, उपसरपंच श्री कमल किशोर दुबे, पंचायत सचिव श्री आनंद सिंह तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग से डॉ. आशुतोष मिश्रा एवं डॉ. बाबूराम प्रजापति सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। गौ माता का संरक्षण केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। गौशालाओं के बेहतर संचालन के लिए जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों का सहयोग बेहद जरूरी है। गोवर्धन पर्व के इस आयोजन ने जहां धार्मिक आस्था और परंपरा को जीवंत किया, वहीं गौसेवा में जुटे कर्मचारियों के सम्मान से उनका मनोबल बढ़ाने का संदेश भी दिया। अंत में श्री शिव शंकर गौशाला परिवार एवं ग्राम पंचायत आमा की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों से गौसेवा एवं गौवंश संरक्षण के पुनीत कार्य में निरंतर सहयोग करने की अपील की गई।

दीपावली पर रोशनी से जगमगाया शाहनगर का बाजार



खरीदारी के लिए उमड़ी लोगों की भीड़, व्यापारियों के चेहरे खिले, कारोबार रहा शानदार

शाहनगर, यश भारत। दीपों के महापर्व दीपावली को लेकर शाहनगर के मुख्य बाजार में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। दीपावली के शुभ अवसर पर पूरा बाजार रोशनी और उत्साह से सराबोर नजर आया। सुबह से ही बाजार में खरीदारी करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ती रही। कोई रंग-बिरंगे फूलों की माला खरीदता नजर आया तो कोई मिठाइयों और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदारी करता दिखाई दिया। हर तरफ त्योहार की खुशियां और उल्लास का माहौल बना रहा।दीपावली के अवसर पर शाहनगर के मेन मार्केट में रंगोली, फूल-माला, नारियल, पटाखे, मिठाई और इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर रंग-बिरंगी झालरों, आकर्षक लाइटों और सजावटी सामान की जमकर बिक्री हुई। वहीं मिठाइयों की दुकानों पर भी सुबह से देर शाम तक ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। घरों को सजाने के लिए लोगों ने अपनी पसंद के अनुसार सजावटी सामग्री और दीपावली पूजन का सामान खरीदा। त्योहार के इस खास मौके पर लोगों ने अपने घरों में दीप जलाकर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और गले मिलकर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में त्योहार को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। वहीं स्थानीय व्यापारियों ने भी इस दीपावली पर अच्छे कारोबार को लेकर खुशी जाहिर की। व्यापारियों का कहना था कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर बाजार में ग्राहकों की अच्छी आवाजाही रही और विभिन्न दुकानों पर उम्मीद के मुताबिक व्यापार हुआ। कुल मिलाकर दीपावली के पर्व पर शाहनगर का बाजार खुशियों, रोशनी और रौनक से गुलजार रहा। त्योहार ने न केवल लोगों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि स्थानीय व्यापारियों के कारोबार में भी नई ऊर्जा का संचार किया।

शशांक सतना, शहडोल एवं सिंगरौली के क्लस्टर प्रभारी बने



कटनी, यशभारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग द्वारा संगठनात्मक विस्तार एवं आगामी अभियानों के प्रभावी संचालन के उद्देश्य से क्लस्टर प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। इसी क्रम में कटनी निवासी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष शशांक गुप्ता गोलू को सतना, शहडोल एवं सिंगरौली जिलों का क्लस्टर प्रभारी नियुक्त किया गया है।यह नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं प्रदेश सोशल मीडिया अध्यक्ष श्री चंचलेश व्यास जी के नेतृत्व में की गई है। शशांक गुप्ता गोलू को मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। उनकी जिम्मेदारी इन जिलों में सोशल मीडिया संगठन को मजबूत करने, जनहित के मुद्दों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रमुखता से उठाने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने की होगी।

मरहा वृत्त के सुरक्षा श्रमिकों को बांटी गईं गर्म जैकेट, ठंड से बचाव के लिए बढ़ाया सहयोग



शाहनगर' यश भारत। दीपावली के पावन पर्व पर खुशियां बांटने और जरूरतमंदों के प्रति सहयोग एवं संवेदनशीलता का संदेश देते हुए वन विभाग के परिक्षेत्र सहायक वृत्त मरहा, वन परिक्षेत्र शाहनगर में सराहनीय पहल की गई। यहां परिक्षेत्र सहायक मरहा एवं वन कर्मचारियों के सहयोग से वृत्त के अंतर्गत कार्यरत समस्त सुरक्षा श्रमिकों को ठंड से बचाव के लिए गर्म जैकेट वितरित की गईं। इस पहल का उद्देश्य जंगलों की सुरक्षा में दिन-रात अपनी जिम्मेदारी निभाने वाले सुरक्षा श्रमिकों को आगामी सर्दियों में राहत पहुंचाना और दीपावली के अवसर पर उनके साथ खुशियां साझा करना रहा। वन क्षेत्रों में सुरक्षा एवं निगरानी का कार्य करने वाले इन श्रमिकों को ठंड के मौसम में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जैकेट वितरण से उन्हें काफी सहूलियत मिलेगी। कार्यक्रम में परिक्षेत्र सहायक मरहा आर. पी. पटेल, बीट प्रभारी देवरा विनोद कुमार वर्मा, बीट प्रभारी मरहा प्रकाश कुमार गुप्ता तथा बीटगार्ड ताला उदयभान सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान समिति के सुरक्षा श्रमिक भी मौजूद रहे। वन कर्मचारियों के इस सहयोगात्मक प्रयास की सराहना की जा रही है। दीपावली के अवसर पर किया गया यह छोटा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास वन विभाग के मैदानी अमले और सुरक्षा श्रमिकों के बीच आपसी सहयोग, विश्वास और मानवीय संवेदना को मजबूत करने वाला साबित हुआ। संदेशः त्योहारों की असली खुशी तभी है, जब हम अपनी खुशियों में दूसरों को भी शामिल करें।

स्वास्थ्य विभाग की बैठक में हुई तीखी बहस, 20 कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर की शिकायत

आशा कार्यकर्ताओं के 10 माह के मानदेय भुगतान को लेकर विवाद



शाहनगर, यशभारत। पन्ना जिले के शाहनगर में आशा कार्यकर्ताओं के लंबित मानदेय भुगतान को लेकर विवाद सामने आया है। करीब 10 माह से मानदेय नहीं मिलने और भुगतान के मिलान में कथित गड़बड़ियों को लेकर आयोजित बैठक में जमकर बहस हुई। मामला इतना बढ़ा कि आशा कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। दरअसल 6 नवंबर को दोपहर करीब डेढ़ बजे शाहनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आशा कार्यकर्ताओं के लंबित मानदेय भुगतान के मिलान को लेकर बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम), सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबंधक (सीएमएम) और जिला लेखा प्रबंधक सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। आशा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पिछले करीब 10 माह से उनका मानदेय भुगतान लंबित है। बैठक के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं के भुगतान का मिलान हुआ, जबकि कई के रिकॉर्ड में त्रुटियां सामने आईं। इसी बात को लेकर कार्यकर्ताओं ने शासन से प्राप्त राशि और भुगतान के हिसाब पर सवाल उठाए। आरोप है कि इसी दौरान सीएमएम और आशा कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। कार्यकर्ताओं का यह भी आरोप है कि बैठक की कार्यवाही और उपस्थिति के नाम पर बिना पूरी कार्यवाही बताए हस्ताक्षर कराए गए। शिकायत के मुताबिक, सात कार्यकर्ताओं ने हस्ताक्षर किए, जबकि शेष ने हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।

दीवारी नृत्य में बिखरा लोकपर्व का उल्लास

यदुवंशियों ने खुरदेव व गौरैया बाबा की पूजन के साथ गोवर्धन और गौ माता का पूजन किया



कटनी, यशभारत । कटनी जिले के रीठी विकासखंड अंतर्गत ग्राम खम्हरिया नं. 1 में धनतेरस पर्व के साथ दीपावली के पर्व की शुरुआत कर कार्तिक अमावस्या के दिन चली आ रही सनातन परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दीपदान कर सभी लोग एकत्र होकर पवित्र मावरी व गौ माता की पूंछ के बालों से बनी रस्सी से दंड में बांधकर बनी छाहुर पूजन कर रात्रि में सभी ग्राम के देवी दिवालों की पूजन व ग्राम को जगाने की परंपरा के साथ सभी लोग बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं, प्रतिपदा के दिन ग्राम के खेरापति खुरदेव बाबा, गौरैया बाबा व प्रमुख देवी देवताओं की पूजा सामूहिक रूप से ग्रामवासियों के साथ मिलकर बड़े हर्सोल्लास के साथ एक दूसरे को बधाइयां देते हुए मनाते हैं। ग्राम की सभी गौमाता का पूजन कर बिचकाने की अद्वितीय परंपरा है। इसके बाद सभी ग्वालबालों द्वारा दीवाली साज सज्जा की पोशाक पहन कर खुशी खुशी ढोल नंगाड़ो की थाप पर नृत्य करते हुए प्रमुख मार्गों से होकर बाबा हरिदास जी के बंगले में एकत्र होकर नृत्य का आनंद लेते हैं। इस कार्यक्रम को देखने क्षेत्र की आसपास हजारों की संख्या में लोग पधारते हैं, सभी लोग पूरे जुलूस में शामिल होकर बड़े हर्षित होते हैं व तालियों व जय जय श्रीकृष्ण, राधे राधे की गूंज से पूरा माहैल मानो वृंदावन धाम में परिवर्तित हो जाता है। इस अवसर पर ग्राम के श्री रामभगत यादव, मारू लाल यादव, अर्जुन यादव, अमृत लाल यादव, गजराज यादव, विशाली यादव, प्रहलाद यादव, रामदास यादव, कमलेश यादव, निर्भय यादव, रघुनंदन यादव, मूलचंद यादव, मुन्ना विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, त्रिलोक यादव, ज्ञानचंद यादव, ऊदल यादव, राकेश यादव, शरद यादव, पुरुषोत्तम यादव, कन्हैया यादव, पप्पू यादव, राहुल यादव (पंडा), सहित ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

गोलबाजार क्रिकेट अकादमी ने 107 रन से जीता मुकाबला, अरमान ने बनाए 134 रन



जबलपुर , यशभारत। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट एवं गोलबाजार क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में शहीद स्मारक गोलबाजार मैदान पर अंडर-16 इंटर क्लब लीग क्रिकेट प्रतियोगिता गोलबाजार कप का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के अंतर्गत गोलबाजार क्रिकेट अकादमी और ओएफके क्रिकेट अकादमी के बीच खेले गए 25-25 ओवर के मुकाबले में गोलबाजार क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 107 रनों से जीत दर्ज की। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गोलबाजार क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित 25 ओवर में शानदार 279 रन बनाए। टीम की ओर से अरमान ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 134 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं मनोनीत नाथन ने 40, मोक्ष शुक्ला ने 32 और अमन ने नाबाद 25 रनों का योगदान दिया। ओएफके क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए नक्श गौतम ने 3, विहान ने 2 और अर्णव ने 1 विकेट हासिल किया।280 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओएफके क्रिकेट अकादमी की टीम 172 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सार्थक ने 66, आराध्य ने 37 और मयंक ने 22 रन बनाए। गोलबाजार क्रिकेट अकादमी की ओर से आर्थिक तिवारी ने 2 विकेट लिए, जबकि मनोनीत नाथन, ओजस्व और केशव ने 1-1 विकेट हासिल किया। शानदार शतकीय पारी खेलने वाले अरमान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगे 26 जिलों के खिलाड़ी

जबलपुर , यशभारत। 5वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 13 नवंबर तक एमएलबी खेल परिसर में किया जाएगा। मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 26 जिलों के लगभग 750 खिलाड़ी एवं खेल अधिकारी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, वहीं बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन मध्यप्रदेश टीम के लिए किया जाएगा।संघ के सचिव संजय यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ की मान्यता प्राप्त इकाइयां भाग लेंगी। इसमें भोपाल, रायसेन, मंडला, नरसिंहपुर, दमोह, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, होशंगाबाद, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, मऊगंज, बालाघाट, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, पांढुर्णा, बैतूल, पन्ना, विदिशा, सिवनी, कटनी, सीहोर और मेजबान जबलपुर की टीमें शामिल होंगीप्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 21 से 25 नवंबर तक गुजरात के बड़ौदा में आयोजित होने वाली 45वीं जूनियर राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस लिहाज से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। प्रतियोगिता के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पाटन क्षेत्र के विधायक अजय विश्नोई होंगे, जबकि अध्यक्षता मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह करेंगे। आयोजन को सफल बनाने में मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ के पंडित योगेंद्र दुबे, सचिव संजय यादव, विनोद पोद्दार, चंद्रशेखर स्वामी, नैंसी जैन, आफरीन शेख, पूजा बर्मन, शुभम काछी, विवेक यादव और अरुण काछी की भूमिका रहेगी।



आईपीएल में 2028 से दो नई टीमों की एंट्री की तैयारी, पुणे और वडोदरा सबसे आगे,12 टीमों का हो सकता है टूर्नामेंट

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का दायरा एक बार फिर बढ़ने की तैयारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) वर्ष 2028 से आईपीएल में दो नई फ्रेंचाइजी शामिल करने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। ऐसा होने पर लीग में टीमों की संख्या मौजूदा 10 से बढ़कर 12 हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नई टीमों को शामिल करने की दौड़ में महाराष्ट्र का पुणे और गुजरात का वडोदरा सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी शुरुआती स्तर पर चर्चा चल रही है और बीसीसीआई की ओर से कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का प्रस्तावित विस्तार वर्ष 2028 से 2032 के अगले मीडिया राइट्स चक्र के साथ हो सकता है। नई फ्रेंचाइजी को लेकर घरेलू कारोबारी समूहों के साथ अंतरराष्ट्रीय निवेश कंपनियां भी दिलचस्पी दिखा रही हैं। यूरोपीय बायआउट फंड परमीरा, अमेरिकी फैमिली ऑफिस और मिडिल ईस्ट के सॉवरेन वेल्थ फंड संभावित निवेशकों में शामिल बताए जा रहे हैं। अनुमान है कि प्रत्येक नई फ्रेंचाइजी का मूल्यांकन एक अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। हाल के वर्षों में आईपीएल टीमों में हुए बड़े निवेश ने लीग के व्यावसायिक महत्व को और बढ़ाया है।

पुणे का आईपीएल से पुराना नाता नई टीम के लिए पुणे को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। इस शहर का आईपीएल से पहले भी जुड़ाव रहा है। पुणे वॉरियर्स इंडिया ने 2011 से 2013 तक और राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने 2016 तथा 2017 में आईपीएल में हिस्सा लिया था। इस दौरान शहर में क्रिकेट के प्रति दर्शकों की अच्छी रुचि और खेल से जुड़ा व्यावसायिक माहौल विकसित हुआ। यही वजह है कि पुणे को एक बार फिर फ्रेंचाइजी का मजबूत केंद्र माना जा रहा है।



वडोदरा को भी मिल सकता है मौका

गुजरात का वडोदरा भी नई फ्रेंचाइजी की दौड़ में प्रमुख दावेदार है। अहमदाबाद के नजदीक होने और गुजरात में खेल सुविधाओं के विस्तार की संभावनाओं के चलते इस शहर को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देश में अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजनाओं के बीच वडोदरा को बड़े खेल केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाएं भी देखी जा रही हैं।

अगले मीडिया राइट्स से रिकॉर्ड कमाई की उम्मीद

आईपीएल के 2023 से 2027 तक के मीडिया राइट्स से बीसीसीआई को करीब 48 हजार करोड़ रुपए मिले थे। क्रिकेट जगत के जानकारों का मानना है कि 2028 से शुरू होने वाले नए मीडिया राइट्स चक्र में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। दो नई टीमों के जुड़ने से मैचों की संख्या, दर्शकों की पहुंच और प्रसारण अधिकारों का व्यावसायिक मूल्य बढ़ने की संभावना है। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में लखनऊ और अहमदाबाद की टीमों को शामिल किए जाने के बाद आईपीएल में 10 फ्रेंचाइजी खेल रही हैं। अब 2028 से दो और टीमों को जोड़ने की योजना पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, पुणे और वडोदरा के नाम अभी संभावित दावेदारों के तौर पर ही सामने आए हैं। अंतिम फैसला बीसीसीआई की औपचारिक प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा।

अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट

सेमीफाइनल भारत और अफगानिस्तान के बीच

अल अमेरात, एजेंसी। अंडर-19 एशिया कप 2026 में भारतीय युवा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएई को 70 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल अमेरात में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 309 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की इस बड़ी उपलब्धि के नायक पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग रहे, जिन्होंने 168 गेंदों में 160 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में यूएई की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवर में 239 रन बनाकर आउट हो गई। अब खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए भारत को अफगानिस्तान की चुनौती का सामना करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय टीम ने इस मैच में दमदार वापसी की है।



भारतीय प्रशंसकों की निगाहें अब सेमीफाइनल पर टिकी हैं। यदि भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में पहुंचती हैं, तो एक बार फिर दोनों देशों के बीच खिताबी भिड़ंत देखने को मिल सकती है। ऐसे में भारतीय युवा खिलाड़ियों के पास लीग चरण की हार का हिसाब बराबर करने का भी मौका होगा। यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही संभलकर खेलते हुए रन गति बनाए रखी। आर्यवीर सहवाग ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए यूएई के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। उन्होंने अपनी 160 रन की पारी में शानदार शॉट लगाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दूसरे छोर पर वीके वनीत ने भी बेहतरीन सहयोग दिया। उन्होंने 69 गेंदों में 67 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों के बीच शानदार तालमेल की बदौलत भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। 310 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की और लगातार विकेट निकालकर विपक्षी टीम को दबाव में रखा। यूएई के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। एक समय टीम 141 रन तक अपने छह प्रमुख बल्लेबाज गंवा चुकी थी। इसके बाद भी यूएई के बल्लेबाजों ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनका संघर्ष ज्यादा देर तक नहीं चल सका। यूएई की ओर से अहमद खुदादार ने 74 गेंदों में 74 रन बनाकर संघर्ष किया। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों का सामना करते हुए टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। पूरी टीम 50 ओवर में 239 रन पर सिमट गई।

अब श्रेयस अय्यर करेंगे कप्तानी, चौथे और पांचवें वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलेंगे

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का न्यूजीलैंड दौरा जारी है। इस वक्त वनडे सीरीज खेली जा रही है। इसके तीन मैच हो गए हैं और दो बाकी हैं। टीम इंडिया दो मैच जीतकर सीरीज में बढ़त बना चुकी है। तीसरा मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। अब बाकी दो मैचों के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में बदलाव हो गया है। इसका ऐलान बीसीसीआई ने पहले ही कर दिया था। आखिर के दो वनडे मैचों में टीम की कमान श्रेयस अय्यर संभालेंगे, लेकिन क्या आपको पता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा इन मैचों में खेलेंगे या फिर बाहर रहेंगे।



इस वक्त भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। पहले दो मैच जीतकर भारत ने बढ़त बना ली है, तीसरा मैच बारिश के कारण रद हो गया। बाकी दो मैचों में शुभमन गिल टीम का साथ छोड़कर जा रहे हैं। उनकी जगह श्रेयस अय्यर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। दरअसल इस वनडे सीरीज के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेली जानी है, जिसमें ज्यादा वक्त नहीं है। ऐसे में शुभमन गिल टेस्ट की तैयारी के लिए जा रहे हैं और बाकी दो वनडे नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई ने पहले ही इसका ऐलान कर दिया था, ईशान किशन को उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच बात अगर विराट कोहली और रोहित शर्मा की बात की जाए तो वे दोनों इस सीरीज के बाकी मैचों में भी खेलेंगे। कोहली और रोहित अब टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेलते हैं, वे केवल वनडे टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में दोनों प्लेयर्स बाकी बचे दो मैच खेलकर वापस आ जाएंगे। लेकिन टेस्ट के लिए जो टीम चुनी गई है, वो वहीं पर रहेंगी। सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर से शुरू होगा और 24 नवंबर तक चलेगा, जो ?वेलिंग्टन में खेला जाएगा। इसके बाद सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच 27 नवंबर से शुरू होकर 2 दिसंबर तक चलेगा। क्राइस्टचर्च में होने वाले इस मुकाबले के तुरंत बाद सीजीज का समापन हो जाएगा। चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारत की वनडे टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, रुतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर, कुलदीप यादव।

रंग संसार

अहान शेट्टी की सनकी को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह



मुंबई, यश भारत। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी के सुपुत्र और नवोदित अभिनेता अहान शेट्टी की अगली बड़ी फिल्म सनकी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। इस एक्शन और रोमांस से भरपूर फिल्म में अब खूबसूरत अभिनेत्री मेधा राणा की भी एंट्री हो गई है। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अभिनेत्री मेधा अहान शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मेधा इससे पहले फिल्म बॉर्डर 2 में वरुण धवन के साथ नजर आई थीं। बॉर्डर 2 की शानदार सफलता के बाद मेधा अपनी अगली फिल्म को लेकर काफी सोच-समझकर फैसला लेना चाहती थीं। वह किसी ऐसी बड़ी फिल्म का इंतजार कर रही थीं, जिसमें उन्हें कुछ अलग और दमदार करने का मौका मिले। जब उन्हें सनकी की कहानी सुनाई गई, तो उन्हें लगा कि यह वही फिल्म है, जिसका वह इंतजार कर रही थीं। मेधा पिछले दो महीनों से इस फिल्म के लिए लगातार तैयारी कर रही हैं। अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने और उसमें पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया है। इसके अलावा, किरदार की मांग के मुताबिक उन्होंने खास तैयारी भी की है। फिल्म की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और अब मेधा भी अहान शेट्टी और फिल्म की बाकी टीम के साथ शूटिंग में शामिल हो गई हैं। फिल्म में मेधा, अहान की प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। उनका यह किरदार रोमांस, गहरे जज्बात और जबरदस्त एक्शन से भरपूर होगा।



मेधा हमेशा से ऐसे ही किरदार की तलाश में थीं, जिसमें उन्हें अभिनय के साथ-साथ एक्शन दिखाने का भी मौका मिले। पिछले दो महीनों से चल रही उनकी तैयारियां भी इसी किरदार को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि बॉर्डर 2 में अहान और मेधा अलग-अलग कलाकारों के साथ नजर आए थे, लेकिन अब दोनों पहली बार सनकी में एक-दूसरे के साथ रोमांस करते दिखाई देंगे। ऐसे में पर्दे पर दोनों की जोड़ी को देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। सनकी की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली सबसे चर्चित एक्शन फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

नाइट टी-शर्ट पहने मुंबई की सड़क पर दौड़ती रही करीना, चिल्ला रही- रुको, रुको

-सैफ अली पर हुए चाकू से हमले की कॉफी विद करण शो में सुनाई डरभरी दास्तां

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने जनवरी 2025 को उनके पति, अभिनेता सैफ अली खान को चाकू से हुए हमले का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय वह अपनी नाइट टी-शर्ट पहने ही मुंबई की सड़क पर दौड़ पड़ी थीं और किसी तरह एक ऑटो-रिक्शा रोकने की कोशिश कर रही थीं। कॉफी विद करण के लेटेस्ट एपिसोड में उन्होंने बताया कि हमले के बाद सैफ खून से लथपथ थे और वह गाड़ियों को रोकने के लिए चिल्ला रही थीं। सैफ और करीना ने उस हमले, उस पर उनके बच्चों की प्रतिक्रिया और परिवार पर पड़े भावनात्मक असर के बारे में बताया।



सैफ ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने छोटे बेटे जेह को बचाने के लिए हमलावर का सामना किया, वहीं करीना ने खुलासा किया कि इस घटना के बाद करीब छह महीने तक वह ठीक से सो भी नहीं पाई थीं। सैफ ने बताया कि करीना उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए गाड़ी की तलाश में घर से बाहर दौड़ पड़ीं। उन्होंने उस रात करीना के हुलिए और उनके नाइट टी-शर्ट में बाहर दौड़ने को लेकर मज़ाक भी किया। करीना कपूर खान ने सैफ अली खान पर हुए चाकू के हमले की उस खौफनाक घटना के बारे में बताया। लोगों को लगा कि शायद करीना ने ही सैफ को चाकू मारा है, और वे पूछने लगे कि घर पर कोई नौकर क्यों नहीं था।

वहीं तैमूर ने अपने अब्बा से पूछा, क्या आप मरने वाले हैं? यह सुनकर दिल टूट जाता है। पूरी घटना बहुत डरावनी थी। करीना ने कहा कि मैंने अपनी नाइट टी-शर्ट पहनी हुई थी। किस्मत से किसी ने इसका वीडियो नहीं बनाया। मैं सड़क पर चिल्ला रही थी- रुको, रुको! यह बिल्कुल किसी फिल्म के सीन जैसा था। मेरे पास पजामा पहनने का भी समय नहीं था। मैं सड़क पर दौड़ पड़ी। यह बात किसी को नहीं पता, मैं पहली बार बता रही हूं। ऑटो-रिक्शा रोकने की कोशिश करते समय उन्होंने क्या पहना था, इस बारे में करीना ने आगे बताया, मैंने सच में बस एक टी-शर्ट पहनी थी जो काफी छोटी थी और मैं किसी पागल औरत की तरह सड़क पर दौड़ रही थी, बस एक रिक्शा मिल जाए, जबकि सैफ खून से लथपथ थे। सैफ ने मज़ाक में कहा कि उनकी टी-शर्ट बहुत छोटी थी और अगर उसका वीडियो बन जाता तो वह काफी चर्चा में रहता। हालाँकि, परिवार के लिए वह रात बेहद डरावनी थी।करीना ने बताया कि उन्होंने लिफ्ट के अंदर सैफ को बुरी तरह घायल हालत में देखा था। उन्होंने कहा कि मैंने लिफ्ट में सैफ को देखा और कहा, सैफ, ऐसा मत करो। तभी तैमूर ने उनकी तरफ देखा और पूछा, अब्बा, क्या आप मरने वाले हैं?



बेटे करण के साथ पिता धर्मेंद्र की पसंदीदा जगह पर पहुंचे सनी देओल, हुए भावुक

मुंबई, यश भारत। अभिनेता सनी देओल अपने पिता और दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र के साथ बेहद खास रिश्ता साझा करते थे। हाल ही में, सनी देओल अपने पिता की यादों से जुड़ी एक बेहद खास जगह पर पहुंचे, जहां धर्मेंद्र अपना खाली समय बिताना पसंद करते थे। इस दौरान सनी के साथ उनके बेटे करण देओल भी मौजूद रहे। यहां पहुंचकर सनी अपने दिवंगत पिता को याद कर भावुक हो गए और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो साझा किया है। सनी देओल ने अपने फार्महाउस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें वह अपने बेटे करण देओल के साथ खेतों में खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों पिता-पुत्र खेती से जुड़े कामों को देख रहे हैं। इस दौरान सनी इस जगह को अपने पिता का फार्म बताते हुए सुनाई देते हैं, जो उनकी आवाज़ में भावनात्मक जुड़ाव को स्पष्ट करता है। इस वीडियो को और भावनात्मक बनाने के लिए, सनी ने अपनी फिल्म अपने का टाइटल सॉन्ग भी लगाया, जिसने दर्शकों के बीच गहरी संवेदना पैदा की। उन्होंने इसके साथ कैप्शन में सिर्फ तीन शब्द लिखे, मिसिंग यू पापा, जो उनके पिता के प्रति गहरे प्यार और सम्मान को दर्शाता है।

दरअसल, यह फार्महाउस महाराष्ट्र की लोनावला और खंडाला की पहाड़ियों के बीच स्थित है। मुंबई के फिल्मी माहौल और भागदौड़ से दूर, करीब 100 एकड़ में फैली इस संपत्ति को धर्मेंद्र अपना सुकून भरा ठिकाना मानते थे।

मां बनने की प्रबल इच्छा ज़ाहिर की आम्रपाली दुबे ने

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस-20 शो के दौरान भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने अपनी जिंदगी के एक बेहद निजी और भावनात्मक पहलू पर खुलकर बात की है। आम्रपाली ने शो के दौरान मां बनने की अपनी प्रबल इच्छा ज़ाहिर की। उन्होंने बताया कि इस पड़ाव पर आकर मां बनना ही एक ऐसी चीज़ है, जिसे वह अपनी जिंदगी में सबसे ऊपर देखती हैं। अपनी साथी-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत करते हुए आम्रपाली ने बताया कि कैसे लोगों की देखभाल करने की उनकी आदत अब उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा बन गई है, न कि यह केवल एक खेल की रणनीति है। लव गिल से बात करते हुए आम्रपाली ने स्पष्ट शब्दों में कहा, लोग सोचते हैं कि शो में मैं जैसे रहती हूं और लोगों के साथ व्यवहार करती हूं, वो मेरे गेम का हिस्सा है लेकिन नहीं यार यह मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा है। उन्होंने अपनी भावनाओं को आगे बढ़ाते हुए कहा, बल्कि इस समय मुझे सिर्फ मां बनना दिख रहा है और कुछ नहीं। अभिनेत्री का कहना है कि लोगों के प्रति उनका केयर करने वाला नेचर उनके व्यक्तित्व का स्वाभाविक हिस्सा है, जिसे वे छिपा नहीं सकतीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वह घर के अन्य सदस्यों जैसे यंग डीएससी, स्काउट ओपी और खुद लव गिल के प्रति भी एक मां की तरह सुरक्षात्मक महसूस करती हैं, क्योंकि वे उन्हें अपने बच्चों की तरह देखती हैं।



आम्रपाली ने अपनी भावनाओं को और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, मैं दिखावा नहीं कर सकती हूं कि मुझे लोगों की परवाह है। फिर, चाहे वह स्काउट, यंग और तुम कोई भी मेरे साथ होगा मैं उसका ख्याल रखूंगी। उन्होंने आगे बताया, ये मेरा असली नेचर बन गया है और मुझे लगता है कि ये मेरी उम्र की वजह से है। मैं सच में अब उम्र के उस पड़ाव पर आ गई हूं, जहां मुझे बच्चे को पालना है। यह उनके जीवन के एक नए और महत्वपूर्ण अध्याय की ओर इशारा करता है, जिसे वे पूरे दिल से अपनाने के लिए तैयार दिख रही हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब आम्रपाली ने मां बनने की अपनी इच्छा जाहिर की हो। इससे पहले भी, वह जियो सिनेमा/हॉटस्टार के चर्चित शो भोजपुरी बवाल में इस बारे में खुलकर बात कर चुकी हैं।

छह जिंदगियां आग में घिरी रहीं, सिस्टम सोता रहा !

बरही अग्निकांड ने फायर ब्रिगेड की तैयारियों और प्रशासनिक व्यवस्था की खोली पोल









खराब दमकल वाहन, फटे पाइप और घंटों की मशक्कत के बीच बुझ गए एक ही परिवार के छह चिराग

अब जांच नहीं, जवाबदेही तय करने का वक्त

कटनी/बरही, यशभारत। दीपावली की रात जब पूरा शहर रोशनी और खुशियों में डूबा था, तब बरही के मुख्य बाजार में एक परिवार जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा था। मकान की तीन मंजिलों में आग का तांडव था। धुएं के गुबार के बीच चीख-पुकार थी और घर के भीतर छह जिंदगियां बचने की उम्मीद में जूझ रही थीं। लेकिन विडंबना देखिए, जिस नगर में थाना, नगर परिषद और फायर ब्रिगेड लगभग आसपास मौजूद हैं, वहां आग बुझाने के लिए समय पर सक्षम दमकल वाहन और प्रभावी बचाव व्यवस्था तक उपलब्ध नहीं हो सकी। नतीजा यह हुआ कि अग्रवाल परिवार के छह सदस्य आग और दम घुटने से असमय काल के गाल में समा गए। यह महज एक अग्नि दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारी आपदा प्रबंधन व्यवस्था के सामने खड़ा एक बेहद गंभीर सवाल है। इस हादसे की जो परिस्थितियां सामने आ रही हैं, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को भीतर तक झकझोर देने के लिए पर्याप्त हैं। रात करीब 12.10 बजे बरही के फायर वाहन को सूचना मिली। लगभग 12.50 बजे दमकल वाहन घटनास्थल पहुंचा, लेकिन उसकी पाइपलाइन फटी थी। नतीजा यह कि नोजल से केवल निचली मंजिल तक ही पानी पहुंच सका। इसके करीब 45 मिनट बाद विजयराघवगढ़ नगर परिषद का दमकल वाहन पहुंचा, उसकी पाइप भी फटी थी। वह भी आग बुझाने में नाकाम रहा। रात 1.30 बजे के बाद कैमोर का दमकल दस्ता पहुंचा और उसने मशक्कत शुरू की। इसके करीब 1 घंटे बाद कटनी से भी फायर वाहन पहुंचा, उसमें भी खराबी सामने आ गई। आखिरकार जेसीबी की मदद से मकान की जाली तोड़कर अंदर पहुंचने का रास्ता बनाया गया और आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। तब तक आग मकान की तीनों मंजिलों को अपनी चपेट में ले चुकी थी।

आग की लपटों के बीच लोग फोन लगाते रहे

इस पूरे घटनाक्रम का एक और बेहद गंभीर और चिंताजनक पहलू सामने आया है। घटनास्थल पर मौजूद लोग और पीड़ित परिवार के शुभचिंतक रातभर जिले के आला अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों को लगातार फोन लगाते रहे, ताकि किसी तरह तत्काल मदद और प्रभावी रेस्क्यू की व्यवस्था हो सके। लेकिन आरोप है कि संकट की उस घड़ी में जिम्मेदार अधिकारियों ने लोगों के फोन तक रिसीव नहीं किए। सोचिएए जिस समय एक परिवार के सदस्य आग की लपटों के बीच जिंदगी और मौत से जूझ रहे थेए जिस समय हर गुजरता मिनट किसी की जान बचाने के लिए महत्वपूर्ण थाए उस समय मदद की गुहार लगाने वाले लोगों को जिम्मेदारों तक पहुंचने के लिए फोन पर फोन लगाने पड़ रहे थे। यदि यह स्थिति सही है तो इसकी भी जांच होनी चाहिए कि आखिर आपातकालीन परिस्थिति में जिम्मेदार अधिकारी लोगों की कॉल से अनजान क्यों बने रहे। क्या जिले में कोई ऐसा प्रभावी आपातकालीन संपर्क तंत्र नहीं है, जिसके माध्यम से संकट के समय तत्काल निर्णय और कार्रवाई हो सकेघ् आखिर प्रशासनिक पदों पर बैठे अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल कार्यालयों तक सीमित है या आपदा की घड़ी में जनता की पुकार सुनना भी उनके दायित्व में शामिल है। जब आग मकान को निगल रही थीए तब लोग मदद के लिए फोन कर रहे थे। दमकल की गाड़ियां खराब थीं और जिम्मेदारों तक पहुंचने के रास्ते भी बंद नजर आ रहे थे। यह केवल संसाधनों की कमी का सवाल नहीं, बल्कि आपातकालीन व्यवस्था की जवाबदेही का भी सवाल है।

...तो फिर ऐसी व्यवस्था का औचित्य क्या

यह घटनाक्रम बताता है कि हमारे यहां आपातकालीन व्यवस्था की वास्तविक स्थिति क्या है। दमकल वाहन केवल सड़कों पर खड़े होने के लिए नहीं होते, उनका काम संकट की घड़ी में जिंदगी बचाना होता है लेकिन यदि सूचना मिलने के बाद पहुंचने वाले वाहनों की पाइपें ही फटी हों, उपकरण खराब हों और संसाधन मौके पर काम न कर सकें तो फिर ऐसी व्यवस्था का औचित्य क्या रह जाता है। सवाल यह भी है कि क्या इन वाहनों का नियमित निरीक्षण नहीं होता। क्या उनकी पाइप, पंप, नोजल और अन्य उपकरणों की कार्यक्षमता जांचने की कोई व्यवस्था नहीं है। यदि है तो फिर दीपावली जैसी संवेदनशील रात में एक के बाद एक दमकल वाहनों में खराबी कैसे सामने आई। अग्निकांड की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि क्रॉकरी दुकान में रखे प्लास्टिक के सामान ने आग को तेजी से फैलने का अवसर दिया। सीढ़ियों पर भी सामान रखा हुआ था, जिससे आग ऊपर की मंजिलों तक पहुंचती चली गई। तीसरी मंजिल के एक कमरे में रखे सामान ने भी आग को और विकराल बना दिया। परिवार के सदस्य जब तक कुछ समझ पाते, तब तक आग ने पूरे मकान को अपनी गिरफ्त में ले लिया था।

बरही की घटना पूरे जिले के लिए चेतावनी

जांच केवल आग लगने के कारणों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि सूचना मिलने से लेकर दमकल वाहनों के पहुंचने तक कितना समय लगाए किन वाहनों में क्या खराबी थी। उनके रखरखाव की जिम्मेदारी किसकी थी। नियमित तकनीकी परीक्षण कब हुआ था और राहत एवं बचाव कार्यों में कहां-कहां चूक हुई। स्थानीय प्रशासन से लेकर नगर परिषद और संबंधित अग्निशमन व्यवस्था के जिम्मेदार अधिकारियों तक की जवाबदेही तय होनी चाहिए। यदि लापरवाही प्रमाणित होती है तो कार्रवाई भी ऐसी होनी चाहिए जो भविष्य में किसी अधिकारी या कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारी के प्रति उदासीन रहने का साहस न दे। बरही की यह घटना पूरे जिले के लिए चेतावनी है। कटनी शहर से लेकर कैमोर, विजयराघवगढ़, बरही और अन्य नगरीय क्षेत्रों तक फायर ब्रिगेड की वास्तविक स्थिति की तत्काल समीक्षा होनी चाहिए। सभी दमकल वाहनों का तकनीकी परीक्षण, पाइप और उपकरणों की जांच, प्रशिक्षित कर्मचारियों की उपलब्धता तथा त्वरित रेस्क्यू की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

व्यवस्था की नाकामी से उठे सवाल धधक रहे

छह जिंदगियां चली गईं लेकिन क्या उनकी मौत से व्यवस्था की नींद टूटेगी। क्या अगला अग्निकांड होने से पहले प्रशासन अपनी तैयारियां दुरुस्त करेगा। क्या अब किसी दूसरे परिवार को ऐसी भयावह त्रासदी का सामना नहीं करना पड़ेगा। बरही में उठी आग की लपटें तो बुझ गईं लेकिन व्यवस्था की नाकामी से उठे सवाल अभी भी धधक रहे हैं। सरकार को समझना होगा कि आपदा के समय केवल संवेदना नहींए सक्षम व्यवस्था चाहिए। जांच के नाम पर खानापूर्ति नहीं, निष्पक्ष कार्रवाई चाहिए। और सबसे बढ़कर जनता को यह भरोसा चाहिए कि संकट की घड़ी में उसे बचाने के लिए सरकारी तंत्र वास्तव में तैयार है। क्योंकि छह मौतों के बाद केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। अब जवाबदेही तय होनी चाहिए। दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए और ऐसी व्यवस्था बननी चाहिए जिसमें किसी परिवार को दोबारा अपने प्रियजनों को इस तरह खोना न पड़े।

ये अपराध माफी योग्य तो कतई नहीं...

फायर ब्रिगेड एक अत्यन्त आवश्यक सेवा है। इस विभाग के कर्मचारियों की इतनी बड़ी लापरवाही करना जिसकी निंदा करने के लिए शब्द नहीं है क्योंकि इनकी सेवाएं आवश्कता पड़ने पर ही ली जाती है बाकी समय तो ये क्या करते हैं कहना मुश्किल है। अपने वाहन और अपने उपकरणों को दुरुस्त रखना इनकी ड्यूटी हैए पर ये इसमें भी असमर्थ हैं फिर वेतन किस काम का ले रहे हैं यदि घटना की सूचना पर तत्काल दमकल कर्मियों ने अपनी ड्यूटी सही निभाई होती तो शायद कुछ जिंदगीयां बचाने में कामयाब रहे होते। लेकिन इनकी लापरवाही से लोगों ने अपनी जान गंवाई है। आग हर समय तो नहीं लगीं रहतीं हैं फिर क्यों नहीं वाहन और उपकरणों को तैयार रखा गया। सभी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को सेवा से पृथक किया जाये तो भविष्य में इतने जिम्मेदार पद के कर्मचारी सजगता से अपनी सेवाएं देंगे।

मुख्यमंत्री ने की आर्थिक सहायता की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता देने के निर्देश दिए हैं। 30 दिनों में मजिस्ट्रियल जांच पूरी करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर ने जांच समिति गठित कर दी है। लेकिन क्या छह जिंदगियों की कीमत केवल आर्थिक सहायता और जांच समिति तक सीमित रह जाएगी। चार-चार लाख रुपये की सहायता दुखी परिवार के लिए सरकार की संवेदनशीलता का एक कदम हो सकती है लेकिन यह उस अपूरणीय क्षति का विकल्प नहीं हो सकतीए जो एक परिवार ने झेली है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि किसी बड़े हादसे के बाद संवेदनाएं व्यक्त होती हैं। अधिकारी मौके पर पहुंचते हैं। मुआवजे की घोषणा होती है और जांच समिति गठित कर दी जाती है। कुछ दिनों तक हलचल रहती है। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो जाता है लेकिन जिन घरों के चिराग बुझ जाते हैं। उनके लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। क्या बरही की घटना भी कुछ दिनों बाद सरकारी फाइलों में सिमटकर रह जाएगी।

12 साल बाद मिली खुशियां पल भर में धुआं-धुआं

संयोग : 5 साल पहले दीवाली ने छीना था बड़े भाई को



कटनी, यशभारत। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पहलू वह है, जिसे सुनकर कलेजा कांप उठता है। बताया जा रहा है कि रितेश अग्रवाल की पत्नी को 12 साल बाद परिवार में बेटे का जन्म हुआ था। आग से घिरने के बाद पूनम ने अपने दो महीने के मासूम बेटे को बचाने के लिए उसे नीचे पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन बालकनी की जाली नहीं खुल सकी। मां और मासूम बेटे को जिंदगी बचाने का रास्ता नहीं मिला। लोग घर के बाहर कपड़ा लेकर खड़े रहे। दूसरी मंजिल पर रितेश के पिता की दम घुटने से मौत हो गई। आग लगने पर रितेश और उनकी भाभी नीचे की ओर भागे और दुकान का शटर खोला लेकिन शटर खुलते ही आग ने और विकराल रूप ले लिया। हालात ऐसे बने कि दोनों वापस अंदर नहीं जा सके। बाहर खड़े होकर वे अपने ही परिवार के सदस्यों को आग की लपटों के बीच फंसा देखते रह गए। कल्पना कीजिए, एक व्यक्ति के लिए इससे बड़ा असहाय और पीड़ादायक दृश्य क्या हो सकता है कि उसकी आंखों के सामने उसका पूरा परिवार जिंदगी की जंग लड़ रहा हो और वह चाहकर भी किसी को बचाने के लिए भीतर न जा सके। इस परिवार के दुख की एक और विडंबना है। रितेश के बड़े भाई की पांच वर्ष पहले दीपावली की परिबा पर ही सड़क हादसे में मृत्यु हो गई थी। अब उसी दीपावली पर परिवार के बाकी सदस्यों को अग्निकांड ने छीन लिया। जिस त्योहार को परिवार के साथ खुशियां बांटने का अवसर होना चाहिए था, वही इस परिवार के लिए कभी न भरने वाला जख्म बन गया। अब सवाल सिर्फहादसे का नहीं, जिम्मेदारी का है। क्या समय पर सक्षम दमकल वाहन पहुंच जाता तो छह जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। क्या बरही, विजयराघवगढ़, कैमोर और कटनी के दमकल वाहनों की नियमित जांच होती तो ऐसी स्थिति पैदा होती। क्या आपातकालीन सेवाओं की तैयारियां केवल कागजों और सरकारी दावों तक सीमित हैं। इन सवालों का जवाब जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को देना होगा।

तहसीलदार के प्रतिवेदन में प्रशासनिक कमियों पर लीपापोती

कलेक्ट्रेट को सौंपी गई रिपोर्ट में समय, लेट-लतीफी और अधिकारियों की अनुपस्थिति का जिक्र गायब

कटनी, यशभारत। बरही नगर में दीपावली की रात भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के छह सदस्यों की दर्दनाक मौत के मामले में बरही तहसीलदार द्वारा कलेक्टर को अपना प्रतिवेदन सौंप दिया गया है। प्रतिवेदन में नगर परिषद और एसडीआरएफ टीम के पहुंचने का जिक्र तो किया गया है लेकिन प्रशासनिक स्तर पर हुई भारी लेटलतीफी, फायर ब्रिगेड के समय पर न पहुंचने, अधिकारियों के अनुपस्थित रहने और अमले की सुस्ती जैसे गंभीर बिंदुओं पर पूरी तरह पर्दा डालने की कोशिश की गई है। तहसीलदार द्वारा 9 नवंबर को प्रेषित इस प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम बरही में स्थित पूरनलाल भगवान प्रसाद अग्रवाल के तीन मंजिला भवन के भू-तल पर प्लास्टिक एवं क्रॉकरी की दुकान संचालित थी तथा ऊपरी तलों पर आवासीय उपयोग होता था।



रिपोर्ट के अनुसार रात्रि लगभग 12.30 बजे अज्ञात कारणों से आग लगी। सूचना मिलने पर बरही, विगढ़ एवं कैमौर के दमकल वाहन तथा एसडीआरएफ टीम कटनी से मौके पर पहुंची और बचाव कार्य किया। भू-तल पर केवल एक ही दरवाजा होने के कारण बचाव में कठिनाई आई, जिसके बाद खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया, जहां से एक ही परिवार के 6 सदस्यों के शव बरामद हुए।

छुपाये गए और नजरअंदाज किए गए मुख्य सवाल- तहसीलदार के इस प्रतिवेदन पर अब कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सूचना मिलने के कितने घंटे बाद फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमें वास्तव में मौके पर पहुंचीं। बचाव कार्य कब शुरू हुआ। आग लगने और प्रशासनिक मदद के पहुंचने के बीच के उन अहम घंटों का कोई जिक्र नहीं है, जिनमें समय पर क्रेन या प्रभावी संसाधन न मिलने के कारण लोगों को बचाया नहीं जा सका।

जिम्मेदारियों से बचाव- रिपोर्ट में पूरी घटना को सामान्य प्रक्रिया बताकर प्रशासनिक मशीनरी की सुस्ती और कमियों को ढकने का प्रयास किया गया है। अधिकारियों की अनुपस्थिति, समन्वय का अभाव, बड़ी संख्या में मौत के कारण का जिक्र तक नहीं है हालांकि तहसीलदार के इसी प्रतिवेदन को आधार बनाते हुए जिला कलेक्टर द्वारा इस मर्मस्पर्शी और भीषण अग्निकांड की मजिस्ट्रीयल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अब देखना यह होगा कि मजिस्ट्रीयल जांच में प्रशासनिक विफलता और लेटलतीफी की असल परतों से पर्दा उठता है या नहीं।







स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 29, बीएसएनएल ऑफिस के पास, द्वारका सिटी रोड, बरगवां, कटनी से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*, सम्पादक अम्बरीष तिवारी सलाहकार संपादक श्याम कटारे। फोन (07622) 230033, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)